ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष- 12, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 337 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

12 जून 2026 शुक्रवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम

39.7 अधिकतम

29.0 न्यूनतम

कामयाबी की ऊंची उड़ान और चुनौतियों का अम्बार

समाचार विश्लेषण

राजेश सिरोठिया

मोदी के 12 वर्ष पार्ट-3

एक दशक से अधिक समय तक सत्ता में बने रहने के बावजूद नरेंद्र मोदी आज भी भारतीय राजनीति के केंद्र में हैं। यह केवल चुनावी सफलता का परिणाम नहीं है। इसके पीछे एक बड़ा कारण यह भी है कि उन्होंने भारत के भविष्य को लेकर एक स्पष्ट राजनीतिक नेरेटिव गढ़ा है। आत्मनिर्भर भारत, विकसित भारत, डिजिटल भारत, मेक इन इंडिया और वैश्विक मंच पर मजबूत भारत जैसे विचार केवल सरकारी नारे नहीं रहे, बल्कि उन्होंने देश के एक बड़े वर्ग की आकांक्षाओं को भी स्वर दिया है। इसके विपरीत देखें तो विपक्ष अभी तक ऐसा व्यापक राष्ट्रीय वैकल्पिक एजेंडा प्रस्तुत नहीं कर सका जो बड़ी संख्या में मतदाताओं को यह भरोसा दिला सके कि वह भारत को मोदी से बेहतर दिशा दे सकता है। लोकतंत्र में सरकार की आलोचना आवश्यक और स्वस्थ परंपरा है, लेकिन केवल विरोध ही राजनीति का आधार नहीं बन सकता। जनता यह भी जानना चाहती है कि विकल्प क्या है? और उसके पीछे कार्ययोजना कितनी विश्वसनीय है?

हालांकि किसी भी निष्पक्ष मूल्यांकन की पहली शर्त यह है कि उपलब्धियों के साथ कमियों को भी उतनी ही ईमानदारी से स्वीकार किया जाए। यदि मोदी सरकार की सफलताओं की चर्चा हो और चुनौतियों का उल्लेख न हो, तो विश्लेषण अधूरा रह जाएगा। सबसे बड़ी चुनौती रोजगार की है। देश की अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में गिनी जा रही है, लेकिन बड़ी संख्या में युवा आज भी गुणवत्तापूर्ण रोजगार की तलाश में हैं। आधारभूत ढांचे के निर्माण और आर्थिक विस्तार के बावजूद रोजगार सृजन की गति अभी भी देश की युवा आबादी की अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं दिखती। आने वाले वर्षों में मोदी सरकार की सफलता का सबसे महत्वपूर्ण पैमाना विकास की गति को रोजगार की की रफ्तार से तालमेल बिठाने की होगी। नई शिक्षा नीति को लेकर अनेक उम्मीदें पैदा हुईं, लेकिन परीक्षा प्रणाली, भर्ती प्रक्रियाओं और संस्थागत पारदर्शिता को लेकर समय-समय पर उठे प्रश्नों ने सरकार की छवि को गहरा आघात पहुंचाया है। किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी उसकी युवा प्रतिभा होती है। यदि शिक्षा व्यवस्था ही युवाओं का विश्वास खोने लगे तो उसका प्रभाव आने वाली पीढ़ियों तक दिखाई देता है। देश के सामने एक और गंभीर चुनौती प्रतिभा पलायन की है। हर वर्ष बड़ी संख्या में भारतीय विद्यार्थी, वैज्ञानिक, चिकित्सक, इंजीनियर और उद्यमी विदेशों का रुख कर रहे हैं। यह केवल बेहतर वेतन या सुविधाओं का प्रश्न नहीं है। इसके पीछे अवसरों की गुणवत्ता, संस्थागत पारदर्शिता, अनुसंधान के वातावरण और प्रतिस्पर्धा की निष्पक्षता जैसे कारण भी हैं। जब प्रतिभाशाली युवाओं को अपने ही देश में अपनी क्षमता के अनुरूप अवसर सीमित दिखाई देते हैं, तो उनका विदेशों की ओर आकर्षित होना गैर लाजमी नहीं माना जा सकता। यह केवल ब्रेन ड्रेन नहीं, बल्कि राष्ट्रीय क्षमता के क्षरण का संकेत भी है। इसी संदर्भ में सामाजिक न्याय और आरक्षण व्यवस्था पर भी गंभीर विमर्श की आवश्यकता है। सामाजिक और ऐतिहासिक अन्यायों को दूर करने के लिए आरक्षण व्यवस्था की आवश्यकता और उपयोगिता से इनकार नहीं किया जा सकता। इस व्यवस्था ने करोड़ों लोगों को अवसर दिए। लेकिन सात दशक बाद यह प्रश्न भी उतना ही वाजिब है कि क्या इसके लाभ वास्तव में सबसे वंचित व्यक्ति तक पहुंच रहे हैं? या सिर्फ आरक्षण से संचित परिवारों की बपौती बनकर रह गया है? यदि पिछड़े वर्गों में क्रीमीलेयर लागू हो सकती है तो अन्य आरक्षित वर्गों के भीतर अवसरों के असमान वितरण पर बहस क्यों नहीं हो सकती? आरक्षित वर्ग के लाखों परिवार अवसरों की कतार में खड़े हैं। सामाजिक न्याय की आत्मा के पक्ष में उठता यह सवाल संचित और वंचितों के बीच फर्क की मांग करता है। अवसरों की असमानता सिर्फ आर्थिक विषमता नहीं बढ़ाती समाज में हताशा को भी जन्म देती है। कृषि क्षेत्र भी अभी निर्णायक सुधार की प्रतीक्षा में है। किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को आधुनिक बनाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए अनेक योजनाएं चलाई गई हैं, लेकिन खेती को लाभकारी बनाने का लक्ष्य अभी अधूरा है। इसी प्रकार एक तरफ भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य सामने रखा जाता है, तो दूसरी ओर लगभग 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज मुहैया कराना कई सवाल खड़े करता है। बेशक यह योजना गरीब परिवारों के लिए राहत का जरिया है, पर सब कुछ दावों के मुताबिक होता तो इतनी बड़ी आबादी को इस प्रकार की सहायता की आवश्यकता क्यों पड़ती? बावजूद इसके नरेंद्र मोदी की सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी उनकी व्यक्तिगत साख और ईमानदार छवि है। मोदी के बारह वर्षों का निष्पक्ष मूल्यांकन करें तो तस्वीर न तो उनके समर्थकों के दावों जैसी है और न उनके विरोधियों के आरोपों जितनी निराशाजनक। इतिहास शायद मोदी युग को उस दौर के रूप में याद रखेगा जिसने भारत की महत्वाकांक्षाओं को नई उड़ान दी। पर उड़ान की कामयाबी इससे भी तय होगी कि वह अपने अंतिम लक्ष्य तक कहाँ तक पहुंची? आने वाले वर्षों में असली परीक्षा यही होगी। देश के सबसे लम्बे कार्यकाल वाले प्रधानमंत्री को इसी उम्मीद के साथ शुभकामनाएं कि आगे भारत के स्वर्णिम भविष्य का सपना और अधिक यथार्थवादी दिखाई देगा। समाप्त

बदलते ट्रम्प, गिरती साख... पहले बमबारी की धमकी, अब शांति की बात

ट्रम्प का दावा - डील फाइनल, ईरान से जंग खत्म ईरान ने खारिज किया, कहा - अभी कुछ तय नहीं

रिपोर्ट - ईरान के फंसे हुए 6 से 12 अरब डॉलर रिलीज करने पर हो रही है बात

तेहरान/वाशिंगटन डीसी. एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने आज दावा किया कि अमेरिका ने ईरान के साथ युद्ध खत्म कर दिया है। एक वर्चुअल रैली में ट्रम्प ने अपने समर्थकों से यह बात कही। उन्होंने यह भी दावा किया कि ईरान कभी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। उधर, ईरान ने ट्रम्प के इस दावे को खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने कहा कि शांति समझौते पर अभी कोई आखिरी फैसला नहीं लिया गया है।

इससे पहले ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा था कि सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने नई डील को मंजूरी कर लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के साथ शांति समझौते पर इसी सप्ताह यूरोप में दस्तखत हो सकते हैं। अगर सब कुछ ठीक रहा तो उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी इसमें शामिल होंगे। डील होते ही होर्मुज स्ट्रेट को भी खोल दिया जाएगा। हालांकि ट्रम्प ने समझौते की पूरी बातें नहीं बताईं। दूसरी तरफ ईरान के विदेश मंत्रालय के हवाले से सरकारी मीडिया ने कहा कि समझौता साइन होने की खबरें सिर्फ अटकलें हैं और अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। इससे पहले, ट्रम्प ने ईरान पर शुक्रवार को भीषण बमबारी करने और उसके तेल निर्यात के मुख्य केंद्र खार्ग द्वीप पर कब्जा करने की धमकी दी थी। इसके 5 घंटे बाद ही उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि ईरान के खिलाफ नए हवाई हमले करने का फैसला रद्द कर दिया गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ओवल ऑफिस में प्रेस के सवालों के जवाब देते हुए।

ट्रम्प ने कहा कि ईरान की टॉप लीडरशिप के साथ बातचीत काफी आगे बढ़ गई है, इसलिए उन्होंने हमला टालने का फैसला किया। हालांकि ट्रम्प ने यह भी साफ किया कि जब तक समझौता पूरी तरह तय नहीं हो जाता, तब तक होर्मुज स्ट्रेट पर अमेरिकी नाकेबंदी लागू रहेगी। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों देश ईरान के 6 से 12 अरब डॉलर के फंसे हुए फंड जारी करने के मुद्दे पर बातचीत कर रहे हैं। उधर, होर्मुज स्ट्रेट को लेकर तनाव बरकरार है। ईरान ने चेतावनी दी है कि उसके तेल-गैस ठिकानों पर हमला हुआ तो किसी को भी तेल नहीं मिलेगा।

खाड़ी देशों का दबाव

ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के वाइस प्रेसिडेंट और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के प्रमुख विशेषज्ञ हर्ष पंत ने कहा यह समझना बहुत मुश्किल है कि ट्रम्प अभी क्या कर रहे हैं। ईरान ने अभी तो इस बात से इनकार ही किया है कि किसी डील पर सहमति बनी है, लेकिन ट्रम्प का लगातार तीसरे दिन ईरान पर हमले का ऐलान करने के बाद पीछे हटना और फिर वीकेंड में समझौते पर साइन करने की बात करना, ऐसा लगता है खाड़ी के सहयोगी देशों का दबाव भी ट्रम्प पर पड़ा है।

सरकार का नया आदेश

कमर्शियल उपभोक्ता सामान्य पेट्रोल पंपों से अब नहीं खरीद सकेंगे तेल

200 लीटर से ज्यादा नहीं मिलेगा डीजल

नईदिल्ली. एजेंसी

केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल की कमी न होने पाए इसके लिए सख्त कदम उठाया है। सरकार ने सामान्य पेट्रोल पंपों से इंडस्ट्रियल और कमर्शियल उपभोक्ताओं को पेट्रोल-डीजल खरीदने पर रोक लगा दी है।

अब ऐसे उपभोक्ताओं को अपनी जरूरत का ईंधन केवल अधिकृत बल्क सप्लाई प्वाइंट्स से ही खरीदना होगा। रॉयटर्स के मुताबिक सरकार ने फिलहाल यह प्रतिबंध 90 दिनों के लिए लागू किया है। हालांकि स्थिति में सुधार होने पर इसे पहले भी वापस लिया जा सकता है। इसके साथ ही सरकार ने खुदरा पेट्रोल पंपों पर डीजल बिक्री की डेली लिमिट भी तय कर दी है। नए आदेश के मुताबिक एक ग्राहक या वाहन को एक दिन में अधिकतम 200 लीटर डीजल ही दिया जा सकेगा।

टी-20 विश्व कप का आगाज

इतिहास रचने उतरेंगी भारत की बेटियां

नईदिल्ली. एजेंसी

पिछले साल वनडे विश्व कप का खिताब जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम अब एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करने के इरादे से मैदान में उतरने जा रही है। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की मेजबानी में महिला टी-20 विश्व कप की शुरुआत आज से होगी। टूर्नामेंट का समापन पांच जुलाई को होगा। पहला मुकाबला बर्मिंघम के एजबेस्टन में रात 11:00 बजे मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच खेला जाएगा। दुनिया की 12 सर्वश्रेष्ठ महिला टीमें इस प्रतिष्ठित खिताब के लिए आमने-सामने होंगी। टूर्नामेंट के दौरान कुल 33 मुकाबले खेले जाएंगे।

चार्जिंग पर लगे ई-स्कूटर में आग पूरी बिल्डिंग चपेट में, तीन की मौत

नईदिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के तुगलकाबाद इलाके में एक बिल्डिंग में आग लगने से 3 लोगों की मौत हो गई। इनमें एक युवक व दो महिलाएं हैं। 6 लोगों को बचाया गया है। ग्राउंड फ्लोर पर बिजली के शॉर्ट सर्किट की वजह से आग शुरू हुई थी। वहीं पर एक इलेक्ट्रिक स्कूटर चार्जिंग पर लगा हुआ था। शॉर्ट सर्किट के बाद आग ने ई-स्कूटर समेत कुल सात दोपहिया वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। धीरे-धीरे आग पांच मंजिला बिल्डिंग में फैल गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने छत का ताला काटकर लोगों को बचाया। फायर डिपार्टमेंट के अनुसार, गुरुवार देर रात 2:35 बजे से 2:37 बजे के बीच इमरजेंसी कॉल मिलीं। आग तारा अपार्टमेंट के पास गली नंबर एक में स्थित एक इमारत में लगी थी। इमारत के अंदर कई लोगों के फंसे होने की खबर मिलने के बाद फायर फाइटर्स ने रेस्क्यू शुरू किया।

भारतीय निशानेबाज कोच राणा का निधन

नईदिल्ली। मशहूर भारतीय निशानेबाजी कोच जसपाल राणा का आज 49 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। राणा एशियाई खेलों के पूर्व स्वर्ण पदक विजेता हैं और ओलंपिक में दो बार पदक जीत चुकीं स्टार निशानेबाज मनु भाकर के कोच रह चुके हैं। बताया जा रहा है कि जर्मनी से लौटते समय फ्लाइट में ही तबीयत बिगड़ गई थी और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालांकि, उनका निधन किस कारण हुआ इसका अभी खुलासा नहीं हुआ है।

भोपाल की पटाखा दुकान में लगी आग

बैरागढ़ रोड आज तड़के पटाखों के धमाकों से दहल उठा। यहां एक पटाखा दुकान में भीषण आग लग गई। पटाखों की वजह से बार-बार धमाके होते रहे और आग की लपटें करीब 70 फीट ऊपर तक उठ गईं। पटाखा दुकान हलालपुरा में मुख्य सड़क किनारे ही है। दिन में यहां खासा ट्रैफिक रहता है। वहीं, आसपास गाड़ियां भी खड़ी रहती है। गनीमत रही कि आग रात में लगी, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। साढ़े 3 घंटे बाद काबू में आ पाई जानकारी के अनुसार, बैरागढ़ रोड स्थित सुंदर वन गार्डन के ठीक सामने सोनी पटाखा दुकान में तड़के करीब साढ़े 3 बजे आग लगी।

सुप्रीम कोर्ट में मीनाक्षी बोलीं चुनाव आयोग ने मनमानी की

दिल्ली/भोपाल. एजेंसी

राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने के मामले की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। मीनाक्षी के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा, रिटर्निंग ऑफिसर ने उन्हें शुरुआती चरण में ही बाहर कर दिया है। उन्हें चुनाव लड़ने दिया जाए, अगर उन्हें वोट नहीं मिलते हैं तो वे हार जाएंगी, यही लोकतंत्र की प्रक्रिया है। एमपी की तीसरी सीट के लिए कांग्रेस ने मीनाक्षी नटराजन को उम्मीदवार बनाया था। कांग्रेस के पास पर्याप्त संख्या बल भी था, लेकिन 9 जून को उनका नामांकन फॉर्म निरस्त कर दिया गया। भाजपा ने आरोप लगाया कि मीनाक्षी ने अपने खिलाफ दर्ज एक केस की जानकारी नामांकन पत्र में नहीं दी। इस आपत्ति को स्वीकार करते हुए रिटर्निंग अधिकारी ने उनका नामांकन निरस्त कर दिया था।

मेट्रो एंकर

कठिन परिस्थितियों में हार मान लेने वाले युवाओं को हौसला देने वाली सक्सेस स्टोरी

पिता की हत्या हुई, फीस के लिए अनाज बेचा... बन गए आईपीएस अफसर

लखनऊ. एजेंसी

कठिन परिस्थितियां अक्सर बड़े सपनों को पूरा करने और आगे बढ़ने का जुनून पैदा करती हैं। कुछ ऐसी ही कहानी है बस्ती के रहने वाले बजरंग प्रसाद यादव की। उन्होंने जीवन की सबसे बड़ी त्रासदी के बाद हार मानने के बजाय अपने लक्ष्य को अपनी ताकत बना लिया। पिता की हत्या के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूटा, आर्थिक तंगी इतनी थी कि पढ़ाई के लिए अनाज बेचना पड़ा लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। हिंदी मीडियम से पढ़ाई करते हुए यूपीएससी परीक्षा क्रैक की और आईपीएस अफसर बने। उनकी सक्सेस स्टोरी उन युवाओं को आगे बढ़ने का हौसला देती है, जो कठिन परिस्थितियों में हार मान लेते हैं। बजरंग प्रसाद उत्तर प्रदेश के बस्ती के रहने वाले हैं। उन्होंने एक एक इंटरव्यू में बताया कि उनकी शुरुआती पढ़ाई गांव के स्कूल से ही हुई है। प्राइवेट स्कूल से उन्होंने 10वीं-12वीं कंप्लीट किया था। इसके बाद वह इलाहाबाद यूनिवर्सिटी पहुंचे और गणित से बीएससीपूरा किया। वह बताते हैं कि उनके पिता किसान थे और खेती के साथ-साथ गांव के जरूरतमंद और कमजोर लोगों की मदद के लिए हमेशा तैयार रहते थे। कर्तव्य और निडरता की वजह से ही साल 2020 में उनकी हत्या कर दी गई। इस दर्दनाक घटना ने उनके पूरे परिवार को दुख से भर दिया। पिता के जाने के बाद बजरंग ने ठान लिया किया वे अन्याय के खिलाफ आवाज बनेंगे और अगर वह कुछ बन जाएंगे तो कोशिश करेंगे कि किसी परिवार के साथ ऐसी घटना न हो। यहीं से यूपीएससी को उन्होंने अपना जुनून बना लिया और आगे बढ़े। जब बजरंग अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहे थे तो आर्थिक तंगी के बीच कोचिंग की फीस भरना मुश्किल था। फसल बेचकर उन्होंने दिल्ली में अपनी फीस जमा की और अपने आप को मजबूत रखा। इस दौरान उनकी मां ने उन्हें संभाला, फोन पर समझाती थीं और जितना संभव था, उतना साथ दिया।

हर बार खुद को बेहतर किया

बजरंग ने हिंदी मीडियम से तैयारी की थी। जुनून ऐसा था कि 2 असफल होने पर भी नहीं रुके। हर बार खुद को बेहतर करके आगे बढ़ने का फैसला किया। एक बार तो वह यूपीएससी मेन्स परीक्षा में सिर्फ 27 नंबर से असफल हो गए थे। जून 2022 में उन्होंने अपना तीसरा अटेंप्ट दिया था। इस बार उन्होंने परीक्षा क्रैक कर ली। 454वीं रैंक लाकर आईपीएस अफसर बने। बजरंग कहते हैं कि पिता के साथ हुई घटना ने उन्हें यह समझने पर मजबूर कर दिया था कि कमजोर और असहाय लोगों की मदद प्रशासनिक पद पर रहकर की जा सकती है। इसी सोच ने उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी और आज उनकी कहानी युवाओं को आगे बढ़ने का हौसला देती है।

रॉयल मार्केट में अस्पतालों के बाहर बेतरतीब पार्किंग से बढ़ी परेशानी

भोपाल। पुराने शहर के व्यस्ततम क्षेत्रों में शामिल रॉयल मार्केट में स्थित निजी अस्पतालों के बाहर पार्किंग सुविधा की कमी अब आम नागरिकों और वाहन चालकों के लिए बड़ी समस्या बनती जा रही है। अस्पतालों में आने वाले मरीजों और उनके परिजनों के वाहन दिनभर सड़कों पर खड़े रहने से यातायात प्रभावित हो रहा है और सड़कें धीरे-धीरे अतिक्रमण की चपेट में आती जा रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि निजी अस्पतालों के पास पर्याप्त पार्किंग की व्यवस्था नहीं होने के कारण चार पहिया और दो पहिया वाहन सड़क किनारे खड़े कर दिए जाते हैं। इससे सड़क की चौड़ाई कम हो जाती है और दिनभर जाम जैसी स्थिति बनी रहती है। सबसे अधिक परेशानी मरीजों, एंबुलेंस और राहगीरों को उठानी पड़ रही है। रॉयल मार्केट क्षेत्र पहले से ही व्यापारिक गतिविधियों और भारी यातायात के लिए जाना जाता है। ऐसे में अस्पतालों के बाहर अव्यवस्थित पार्किंग ने समस्या को और गंभीर बना दिया है।

राहत भरी खबर... भोपाल एम्स में बढ़ेगी सुविधा

मरीजों के अटेंडेंट्स को नहीं भटकना होगा बाहर, बनेगा अत्याधुनिक विश्राम सदन

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल में इलाज कराने आने वाले गंभीर मरीजों के परिजनों और तीमारदारों (अटेंडेंट्स) के लिए एक बेहद राहत भरी खबर है। अस्पताल परिसर में अब किसी भी तीमारदार को कड़कड़ाती ठंड, तपती गर्मी या बारिश के बीच बरामदों, गलियारों या फुटपाथों पर रात नहीं गुजारनी पड़ेगी। एम्स प्रबंधन संस्थान परिसर में ही मल्टीलेवल पार्किंग के ठीक बगल में 500 बेड की क्षमता वाला एक विशाल और अत्याधुनिक विश्राम सदन बनाने जा रहा है।

इस महत्वपूर्ण और संवेदनशील परियोजना का निर्माण कार्य इसी महीने यानी जून 2026 के अंतिम सप्ताह से शुरू कर दिया जाएगा, जिसे आगामी एक साल (2027) के भीतर पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

ऐसी होंगी विश्राम सदन की सुविधाएं:
एम्स भोपाल में रोजाना औसतन 7 से 8 हजार मरीज ओपीडी और आईपीडी में इलाज के लिए पहुंचते हैं। इनमें से एक बड़ी संख्या मध्य प्रदेश के दूरस्थ जिलों, आदिवासी अंचलों और पड़ोसी राज्यों (जैसे उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़) से आने वाले आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों की होती है। उनके

परिजनों को ध्यान में रखकर इस विश्राम सदन का खाका खींचा गया है।

हमीदिया में भी है प्रस्ताव

एम्स प्रबंधन का मानना है कि इलाज की तरह ही परिजनों के रहने की व्यवस्था भी चिकित्सा सुविधाओं का ही एक अनिवार्य हिस्सा है। इसी तर्ज पर भोपाल के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल हमीदिया में भी ऐसा ही विश्राम सदन बनाने का प्रस्ताव शासन स्तर पर तैयार है, हालांकि वहां फिलहाल उपयुक्त जमीन का चयन होना बाकी है।

डॉक्टर की अनुशंसा पर ही मिलेगी एंट्री

विश्राम सदन की व्यवस्था को पूरी तरह पारदर्शी और सुरक्षित रखने के लिए एम्स प्रबंधन ने एक विशेष नियम बनाया है। सदन में केवल उन्हीं तीमारदारों को कमरा या बेड अलॉट किया जाएगा, जिनके पास मरीज का इलाज कर रहे डॉक्टर की विशेष अनुशंसा होगी। इससे उन जरूरतमंदों को प्राथमिकता मिलेगी जिनके मरीज लंबे समय से अस्पताल में भर्ती हैं और जिन्हें बाहर महंगे होटल या कमरे किराए पर लेने पड़ते हैं।

अखिल भारतीय लघुकथा सम्मान समारोह 19 को , पोस्टर प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल द्वारा आगामी 19 जून को हिंदी की पहली लघुकथा एक टोकरी भर मिट्टी के लेखक पंडित माधवराव सप्रे की जन्म जयंती पर अखिल भारतीय लघुकथा अधिवेशन एवं अलंकरण समारोह का आयोजन हिंदी भवन में किया जाएगा। इसमें शिक्षा साहित्य और समाज लघुकथा का बदलता स्वरूप संदर्भ विषय परचर्चा की जाएगी।

इस राष्ट्रीय आयोजन के प्रथम - द्वितीय सत्र में उद्घाटन एवं अलंकरण का कार्यक्रम आयोजित है। इस सत्र की अध्यक्षता करेंगे डॉ.उमेश कुमार सिंह वरिष्ठ साहित्यकार एवं पूर्व निदेशक साहित्य अकादमी मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद। मुख्य अतिथि होंगे डॉ.ध्रुव कुमार, वरिष्ठ साहित्यकार पटना ,विशिष्ट अतिथि डॉ.नुसरत मेहंदी निदेशक उर्दू अकादमी भोपाल, एवं सारस्वत अतिथि के रूप में राकेश शर्मा सम्पादक वीणा पत्रिका इंदौर, डॉ.मिथिलेश दीक्षित पटना एवं ज्योति जैन वरिष्ठ साहित्यकार इंदौर उपस्थित रहेंगे। किशोर बागड़े इंदौर द्वारा पोस्टर प्रदर्शनी लगाई जाएगी। साथ ही एक टोकरी भर मिट्टी लघुकथा का वाचन श्रीमती अंजू खरबंदा द्वारा किया जाएगा। हमारी शाखाएं, परिकल्पना एवं विस्तार विषय पर राष्ट्रीय संयोजक महेश्वर के विजय जोशी अपनी बात रखेंगे और सध्य प्रकाशित कृतियों का विमोचन किया जाएगा। माधवराव सप्रे अखिल भारतीय लघुकथा अलंकरण डॉ. सूर्यकांत नागर इंदौर,पद्मश्री पंडित रामनारायण उपाध्याय स्मृति लघुकथा प्रादेशिक सम्मान ज्योति जैन इंदौर,अचार्य जगदीश चंद्र मिश्र आलोचना सम्मान डॉ. अनीता राकेश पटना, मातुश्री धनवंती देवी लघुकथा सम्मान सरिता वाघेला भोपाल, विशिष्ट हिंदी सेवी सम्मान डॉ. मिथिलेश दीक्षित,डॉ. उपासना सक्सेना लघुकथा शोध प्रेरणा सम्मान प्रिंस कुमार गोरखपुर, डॉ.उपासना सक्सेना दिव्यांग प्रेरणा सम्मान कोमल बाधवानी उज्जैन, संवाद भारती सम्मान वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार राजकुमार बरुआ एवं युवा पत्रकार अभिषेक पुरोहित,साहित्यिक सांस्कृतिक पत्रकारिता सम्मान डॉ. राकेश शर्मा इंदौर को प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही लघुकथाश्री सम्मान से डॉ.वर्षा ढोबले भोपाल, डॉ.नितिन उपाधेय यूएई, अर्चना त्यागी रुड़की झारखंड, मिन्नी मिश्रा पटना, वंदना गोपाल शर्मा शैली भाटापारा, नीना मंदिलवार रांची झारखंड, गीता चौबे गूंज बैंगलोर, भारती पाराशर जबलपुर,अनिल श्रीवास्तव गुरुग्राम आरती सिंह एकता नागपुर, दीपा मनीष व्यास इंदौर, संध्या शुक्ला मृदुल मंडला,विजय कुमार शर्मा कोटा,को प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही पारस दासोत स्मृति लघुकथा सम्मान मीरा जैन उज्जैन, विक्रम सोनी स्मृति लघुकथा कृति सम्मान डॉ.हरप्रीत सिंह राणा पंजाब को प्रदान किया जाएगा।

40 से अधिक जवानों ने घेरा ईरानी डेरा, फरार इनामी बदमाश पकड़ा

भोपाल। निशातपुरा की अमन कॉलोनी स्थित ईरानी डेरे में पुलिस ने एक बार फिर घेराबंदी कर बड़ी दबिश दी। फरारी काट रहे बदमाशों और वारंटियों की तलाश में जब 40 से ज्यादा जवानों ने डेरे को चारों तरफ से घेरा, तो वहां हड़कंप मच गया। पुलिस ने दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक आरोपी पर 17 हजार रुपए का इनाम घोषित था।

निवेशकों से गौसंवर्धन बोर्ड के अफसर बोले

मंत्री कब तक रहेंगे, मेरे हिसाब से काम करना होगा

मुख्यमंत्री, पशुपालन मंत्री और मुख्य सचिव को भेजी गई लिखित शिकायत

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

स्वावलंबी गौशाला योजना के निवेशकों और सामाजिक संगठनों ने गौसंवर्धन बोर्ड के डिप्टी डायरेक्टर प्रवीण शिंदे पर अभद्रता करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि 27 मई 2026 को हुई बैठक में डॉ. शिंदे ने कहा कि मुख्य सचिव दो महीने के मेहमान हैं। मंत्री का कुछ पता नहीं कि कितने दिन रहेंगे और सीएम के जाने का भी चल ही रहा है। विभाग में काम करना है तो मेरे हिसाब से करना पड़ेगा, नहीं तो टेंडर कभी भी निरस्त कर देंगे।

मामले में ग्लोबल रिसर्च फाउंडेशन के अध्यक्ष राजकुमार दीक्षित ने मुख्यमंत्री, पशुपालन मंत्री और मुख्य सचिव को लिखित शिकायत भेजकर कार्रवाई की मांग की है। ग्लोबल रिसर्च फाउंडेशन ने ही भोपाल में गौशाला संचालन का टेंडर लिया है। शिकायत के अनुसार, 27 मई 2026 को वल्लभ भवन के कमरा नंबर ई-205 में स्वावलंबी गौशाला योजना के क्रियान्वयन को लेकर समीक्षा बैठक हुई थी। इसमें पशुपालन मंत्री लखन पटेल और विभाग के प्रमुख सचिव के साथ वे निवेशक शामिल हुए थे, जिन्हें शासन द्वारा एलओआई (लेटर ऑफ इंटेंट) जारी किया जा चुका है। इसके बाद डॉ. शिंदे की अध्यक्षता में एक और बैठक रखी गई। इसमें निवेशकों ने टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी विभागीय स्तर पर हो रही देरी का मुद्दा उठाया। इस पर डॉ. शिंदे नाराज हो गए। उन्होंने निवेशकों से कहा- यदि विभाग में काम करना है तो मेरे हिसाब से करना पड़ेगा। हमें तो विभाग में 9 साल रहना है, ये लोग तो कुछ ही समय के मेहमान हैं। हमारे हिसाब से नहीं चलोगे तो हम कभी भी टेंडर निरस्त कर देंगे।

शिकायतकर्ता राजकुमार दीक्षित के अनुसार प्रदेश सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के जरिए राज्य में लगभग करीब 800 करोड़ रुपए का निवेश आने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इस योजना से प्रदेश को आवारा पशुओं की समस्या से भी बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। ऐसे में एक जिम्मेदार अधिकारी द्वारा इस तरह का आचरण देश भर में सराही जा रही योजना को विफल करने का प्रयास है। उधर, गौसंवर्धन बोर्ड के डिप्टी डायरेक्टर प्रवीण शिंदे ने आरोपों से इंकार करते हुए कहा कि ऐसी किसी से कोई बात ही नहीं हुई।

एल.वी.एस. ग्रुप के शिक्षक-शिक्षिकाओं का उन्मुखीकरण कार्यक्रम

सिद्धभाऊ ने कहा- प्रार्थना में असंभव को भी संभव बनाने की ताकत मौजूद

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

जो शिक्षक-शिक्षिकाएं है उन्हें मौका मिला है कि सरस्वती माँ के ज्ञान कोष को आप बांटें ताकि विद्यार्थी प?ाई करके समाज और घर में सम्मान प्राप्त करें क्योंकि पढ़ाई के बिना किसी का कोई मोल नहीं है।

यह विचार सिद्धभाऊजी ने व्यक्त किए। वे लक्ष्मीदेवी विक्योमल शर्राफ एज्यूकेशनल सोसायटी द्वारा संचालित शिक्षण संस्थाओं के शिक्षक-शिक्षिकाओं शिक्षक उन्मुखीकरण कार्यक्रम में बोल रहे थे। कार्यक्रम की शुरुआत परंपरागत तरीके से दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुई। उन्होंने कहा, बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार भी दें। उन्हे प्रार्थना करने के लिए प्रेरित करें। यह बताएं कि प्रार्थना से

असंभव काम भी संभव हो जाते हैं। भाऊजी ने कहा, पढ़ाई करने के लिए बच्चों से टाइम टेबल बनवाएं, जिसमें मोबाइल और टी.वी. के लिए भी समय निर्धारित हो क्योंकि टाइम टेबल बनाने से बच्चे स्वअनुशासित बनते हैं और समय सदुपयोग करते हैं। विद्यार्थियों के साथ आत्मीयता के साथ पेश आयें, उन्हें डांटें नहीं प्यार से समझाएं। कार्यक्रम में संस्था के सचिव रमेश हिंगोरानी, संचालक योगेश हिंगोरानी एवं चारों विद्यालयों के प्राचार्य, उप-प्राचार्य, कोऑर्डिनेटर एवं समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन जयश्री ममतानी तथा ने किया।

50 परिवारों पर बेघर होने का संकट, बोले-

अगर हटाया तो सामूहिक आत्महत्या के अलावा कोई रास्ता नहीं रहेगा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

बैरसिया विधानसभा क्षेत्र के ग्राम जम्मूसर कला स्थित वमूरिया टोला के लगभग 50 परिवार इन दिनों बेघर होने की आशंका से चिंतित हैं। आदिवासी, बंजारा और गुर्जर समाज के ये परिवार पिछले कई दशकों से यहां निवास कर रहे हैं।
ग्रामीणों के अनुसार संजय सागर डैम निर्माण के दौरान उनकी जमीन डूब क्षेत्र में चली गई थी। इसके बाद उन्होंने यहां बंजर भूमि पर अपने घर बनाए और वर्षों की मेहनत से उसे खेती योग्य बनाया। वर्तमान में अधिकांश परिवार इसी भूमि पर खेती कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि हाल ही में उन्हें जानकारी मिली कि जिस भूमि पर वे रह रहे हैं, वह पशुपालन विभाग के नाम दर्ज हो चुकी है और यहां गौशाला अथवा गौ अभ्यारण विकसित किया जाना प्रस्तावित है। जबकि जम्मूसर कला पंचायत में पहले से ही लगभग 67 एकड़ भूमि पर गौशाला संचालित है। हमारी टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। वमूरिया टोला में वर्षों से एक व्यवस्थित बस्ती आबाद है, जहां सड़क, बिजली, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं। कई परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ भी मिला है। ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से एसडीएम आशुतोष शर्मा को आवेदन सौंपकर मांग की है कि उन्हें वर्षों से बसे स्थान पर ही रहने दिया जाए। ग्रामीणों ने कहा यदि उनके घर तोड़े गए और उन्हें यहां से हटाया गया तो उनके सामने जीवनयापन का कोई साधन नहीं बचेगा।

वक्फ बोर्ड के विरोध में आज भगवा पार्टी का प्रदर्शन

भोपाल। वक्फ बोर्ड के विरोध में भारतीय गण वार्ता पार्टी (भगवा पार्टी) 12 जून को राजधानी भोपाल में प्रदर्शन करेगी। पार्टी ने इस विरोध को वक्फ बोर्ड भारत छोड़ो नाम से चलाए जा रहे राष्ट्रव्यापी आंदोलन का हिस्सा बताया है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं कार्यालय प्रभारी विनोद कुमार पाण्डेय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्रदर्शन दोपहर 2 बजे बोर्ड ऑफिस चौराहा पर आयोजित किया जाएगा। इस दौरान कार्यकर्ता वक्फ बोर्ड के खिलाफ सांकेतिक अर्थी निकालेंगे और पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराएंगे।

मेट्रो एंकर

एमसीयू के इलेक्ट्रानिक विभाग में प्रवेश शुरू, 16 जून अंतिम तिथि तय

टीवी, रेडियो, एफएम और प्रोडक्शन में बनेगा करियर

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

यदि टेलीविजन चैनल में एंकर, न्यूज रीडर, रिपोर्टर या रेडियो एवं एफएम में उद्घोषक अथवा आरजे बनना चाहते हैं, तो माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय का इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग इस सपने को साकार कर सकता है। इसके लिए प्रवेश आवेदन की अंतिम तिथि 16 जून निर्धारित की गई है।

एमसीयू के अनुसार एमएससी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, एम.ए. इन

ब्रॉडकास्ट जर्नलिज्म तथा बीएससी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया जैसे रोजगारमूलक पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। एमएससी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में दो वर्षीय मास्टर डिग्री के साथ विद्यार्थियों को टीवी प्रोडक्शन, डिजिटल मीडिया, कंटेंट क्रिएशन, स्टूडियो संचालन, कैमरा एवं वीडियो एडिटिंग जैसी तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है। इसी तरह एमए इन ब्रॉडकास्ट जर्नलिज्म में दो वर्षीय मास्टर डिग्री के माध्यम से विद्यार्थियों को टीवी पत्रकारिता, न्यूज रिपोर्टिंग, एंकरिंग, न्यूज़ प्रोडक्शन तथा डिजिटल न्यूज़ मीडिया की पेशेवर समझ विकसित कराई जाती है। बीएससी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में रेडियो, टेलीविजन, फिल्म निर्माण, डिजिटल मीडिया, कंटेंट प्रोडक्शन एवं मीडिया तकनीक की शिक्षा दी जाती है। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए स्नातक तथा 12 वीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है। बता दें कि विभाग से उत्तीर्ण हुए विद्यार्थी आज देश के विभिन्न समाचार चैनलों, रेडियो, एफएम, प्रोडक्शन हाउस एवं फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बना रहे हैं। विद्यार्थी अधिक जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के किसी भी पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

इंदौर में कृषि मंत्रियों और अंतरराष्ट्रीय अतिथियों के सम्मान में आयोजित हुआ विशेष रात्रि भोज

ब्रिक्स कृषि सम्मेलन में बिखरी संस्कृति की छटा, सीएम ने किया स्वागत

इंदौर, दोपहर मेट्रो

ब्रिक्स देशों के कृषि मंत्रियों और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों की मेजबानी करते हुए मध्यप्रदेश ने एक बार फिर अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और अतिथि सत्कार की परंपरा का शानदार प्रदर्शन किया। इंदौर में आयोजित ब्रिक्स देशों के अंतर्राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विभिन्न देशों से आए कृषि मंत्रियों, प्रतिनिधियों और अतिथियों से मुलाकात कर उनका आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देश के दिल मध्यप्रदेश की औद्योगिक राजधानी इंदौर में पधारे विदेशी मेहमानों के सम्मान में विशेष रात्रि भोज का आयोजन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश अपनी सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक धरोहरों के साथ-साथ कृषि और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। रात्रि भोज के दौरान अतिथियों को प्रदेश की विविध परंपराओं और खान-पान से भी परिचित कराया गया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने जीता मेहमानों का दिल

आयोजन की सांस्कृतिक संध्या आकर्षण का केंद्र रही। प्रदेश की लोक कला, लोक संगीत और आध्यात्मिक चेतना पर आधारित रंगारंग प्रस्तुतियों ने देश-विदेश से आए प्रतिनिधियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विविधता, ऐतिहासिक धरोहरों और प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों की झलक पेश की। कार्यक्रम में प्रस्तुत लोकनृत्यों और सांस्कृतिक आयोजनों ने प्रदेश की पहचान को वैश्विक मंच पर प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया। विदेशी प्रतिनिधियों ने भी इन प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक समृद्धि की प्रशंसा की।

कई जनप्रतिनिधि और गणमान्य रहे उपस्थित

इस अवसर पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, कृषि मंत्री एदल सिंह कंषाना सहित अनेक जनप्रतिनिधि, सांसद, विधायक और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम ने ब्रिक्स देशों के साथ भारत और मध्यप्रदेश के मजबूत संबंधों को नई मजबूती प्रदान करने का संदेश दिया।

5000 करोड़ की स्कीम, लेकिन नलों में गंदा पानी

अमृत 2.0 योजना की लागत 1800 रुपए करोड़ बढ़ी, चार बड़े शहरों के 8 प्रोजेक्ट पिछड़े

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के चार बड़े शहरों इंदौर, भोपाल, जबलपुर और ग्वालियर में पानी और सीवरेज के 8 बड़े प्रोजेक्ट्स प्रशासनिक लापरवाही और लेटलतीफी का शिकार हो गए हैं। केंद्र सरकार की अमृत 2.0 योजना के तहत शुरू हुए ये प्रोजेक्ट्स साढ़े चार साल बाद भी अधूरे हैं। इस देरी की वजह से न सिर्फ सरकारी खजाने पर 1800 करोड़ रुपए का अतिरिक्त बोझ बढ़ा, बल्कि आम लोगों को अपनी जान भी गंवाना पड़ी है। अब सरकार के सामने दिसंबर 2026 तक इन प्रोजेक्ट्स को पूरा कर हर घर तक साफ पानी पहुंचाने की बड़ी चुनौती है। प्रशासनिक सुस्ती का सबसे दर्दनाक चेहरा इंदौर में देखने को मिला। यहां जनवरी-फरवरी 2026 में भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से 33 लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों लोग बीमार पड़े।

स्थानीय पार्षद और रहवासी लंबे समय से 30 साल पुरानी जर्जर नर्मदा पाइपलाइन को बदलने की मांग कर रहे थे। इसका प्रस्ताव नवंबर 2024 में ही बन गया था, लेकिन फाइल एक साल तक अफसरों के बीच अटकी रही। 550 किमी लंबी पाइपलाइन के टेंडर जारी करने में 8 महीने लग गए। जब दिसंबर 2025 के अंत में काम का अंतिम आदेश जारी हुआ, तब तक लोगों की मौत का सिलसिला शुरू हो चुका था।

क्यों अटके हैं प्रोजेक्ट? दो उदाहरणों से समझिए

उज्जैन-फर्जी बैंक गारंटी और ब्लैकलिस्टिंग का खेल

उज्जैन में वॉटर सप्लाई प्रोजेक्ट 8 महीनों से ठप है। वॉटर सप्लाई (30 करोड़ रुपए) और सीवरेज (470 करोड़ रुपए) के टेंडर अलग-अलग कंपनियों को दिए गए थे। वॉटर सप्लाई का काम अहमदाबाद की मेसर्स तीर्थ गोपी कॉन लिमिटेड को मिला था। कंपनी की 2024 के अंत में जमा बैंक गारंटी जांच में फर्जी पाई गई। इसके बाद अगस्त 2025 में निगम ने कंपनी को ब्लैकलिस्ट कर दिया और काम बंद हो गया। अब अमृत 1.0 के लंबित करीब 42 हजार हाउसहोल्ड कनेक्शन और वॉर्डों में सीवरेज लाइन बिछाने का काम नई कंपनियों को दिया गया है।

डिजाइन- डीपीआर की खामियां

सूत्रों के अनुसार, प्रोजेक्ट्स की डीपीआर बनाने में भारी देरी हुई। कई जगह डिजाइन-ड्रॉइंग तैयार नहीं थे। आयुक्त संकेत भोंडवे ने कहा है कि त्रुटिपूर्ण डीपीआर बनाने वाले सलाहकारों की समीक्षा कर उन्हें ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। वर्तमान में 35 परियोजनाएं धीमी हैं। इसके चलते 13 ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट और 6 को सस्पेंड किया गया है।

1800 करोड़ का भार

देरी के कारण भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर की 8 बड़ी परियोजनाओं का बजट बिगड़ गया है।

इंदौरः संस्थागत ऋण की तलाश यहां लागत ?800 करोड़ से बढ़कर ?1073 करोड़ हो गई है। इंदौर को ?1,013.64 करोड़ की अतिरिक्त व्यवस्था करनी है, जिसके लिए निगम संस्थागत ऋण तलाश रहा है।

भोपालः केवल 44 करोड़ ही खर्च ?735 करोड़ स्वीकृत होने के बावजूद अब तक केवल 6त्न राशि का उपयोग हुआ है, जिससे लागत बढ़ने का खतरा है।

भरपाई का रास्ता : ग्रीन बॉन्ड जारी करेंगे

नगर निगम वित्तीय घाटा पूरा करने के लिए ग्रीन बॉन्ड और नगर निगम बॉन्ड जारी करने की तैयारी कर रहे हैं। ग्रीन बॉन्ड की राशि पर्यावरण, जल प्रबंधन और री-साइकिलिंग प्रोजेक्ट्स पर खर्च होगी। इन पर अनुमानित ब्याज दर 7.5 फीसदी से 9फीसदी के बीच हो सकती है।

लापरवाह अफसरों पर गिरेगी गाज, 13 जून को बड़ी बैठक

हाल ही में मुख्य सचिव ने पेयजल संकट को लेकर गहरी नाराजगी जताई थी। अब फाइलें अटकाने वाले अफसरों और सलाहकारों पर सख्त कार्रवाई की तैयारी है। इसी सिलसिले में 13 जून को भोपाल के सुंदरलाल पटवा राष्ट्रीय शहरी प्रबंधन संस्थान में समीक्षा बैठक बुलाई गई है। इस एक दिवसीय बैठक में प्रदेशभर के करीब 850 अधिकारी, तकनीकी विशेषज्ञ और ठेकेदार शामिल होंगे। इस बैठक में अमृत 1.0 और अमृत 2.0 की जलप्रदाय परियोजनाओं की भौतिक और वित्तीय प्रगति की समीक्षा की जाएगी।

खसरा, अवैध कब्जा, नामांतरण की ज्यादा शिकायतें

राजस्व विभाग में लग रहा सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का अंबार, अफसरों की सुस्ती हावी

इंदौर, दोपहर मेट्रो

इंदौर जिले के राजस्व विभाग में सीएम हेल्पलाइन निराकरणों के निराकरण में प्रशासनिक सुस्ती दिखाई देने लगी है। कभी बेहतर प्रदर्शन करने वाला इंदौर अब शिकायतों के बोझ तले दबता नजर आ रहा है। अप्रैल में 13वें स्थान पर रहने वाला इंदौर मई में सीधे 30वें पायदान पर पहुंच गया। कलेक्टर शिवम वर्मा द्वारा तीन जून को ली गई राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में सामने आया कि मई में महज 13 प्रतिशत शिकायतों का ही निराकरण राजस्व विभाग कर पाया, जबकि करीब 10 प्रतिशत शिकायतें तो नान अटेंडेड ही पड़ी रहीं। यानी जिम्मेदार अधिकारियों ने उन्हें देखने तक की जहमत नहीं उठाई।

दरअसल, मई में राजस्व न्यायालयों से जुड़ी 1210 शिकायतें दर्ज हुईं, लेकिन इनमें से महज 13 प्रतिशत शिकायतों का ही समाधान हो सका। सबसे गंभीर स्थिति यह है कि 50 दिन से अधिक समय से लंबित 957 शिकायतों में केवल 10.56 प्रतिशत मामलों का निराकरण हुआ। इसके उलट अप्रैल में 801 शिकायतों में से 54.46 प्रतिशत मामलों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण किया गया था।

एक महीने में प्रदर्शन में आई भारी गिरावट ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। राजस्व विभाग में सबसे ज्यादा 416 शिकायतें खसरा आनलाइन अपडेट नहीं होने से जुड़ी हैं। निजी भूमि पर अवैध कब्जे की 306 शिकायतें लंबित पड़ी हैं, जबकि नामांतरण और बटांकन की 247 शिकायतें अब भी लंबित हैं।

सीएम हेल्पलाइन

त्वरित निराकरण नहीं होने से परेशानी

सीमांकन के 140 मामले लंबित होने से किसान सबसे ज्यादा परेशान हैं। जमीन की नाप-जोख नहीं होने से विवाद बढ़ रहे हैं और लोग सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए सीएम हेल्पलाइन बनाई गई, लेकिन यहां पर भी समय पर निराकरण नहीं होने से आमजन परेशान हैं। सम्मान निधि का भुगतान नहीं होने की भी 103 शिकायतें लंबित हैं। सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण में मल्हारगंज तहसील में सर्वाधिक 24.38 प्रतिशत शिकायतों का निराकरण किया गया, जबकि सबसे कम जूनी इंदौर तहसील में महज 2.95 प्रतिशत शिकायतें ही निराकृत की गई। राऊ तहसील में 21.86 प्रतिशत शिकायतों का निराकरण किया गया है।

मप्र में दो लाख कर्मचारी-अधिकारियों का प्रमोशन फिर अटका

आरक्षण पर फैसला सुनाने से पहले दो जजों का ट्रांसफर, नई नौकरियों पर सीधा असर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में दो लाख से अधिक कर्मचारियों और अधिकारियों के प्रमोशन का मामला एक बार फिर अटक गया है। मप्र हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की खंडपीठ इस मामले में सुनवाई पूरी कर फैसला देने वाली थी। लेकिन निर्णय आने से पहले ही दोनों जजों का ट्रांसफर हो गया है। यह मामला हाईकोर्ट जबलपुर में राज्य सरकार द्वारा जून 2025 में लागू किए गए लोक सेवा पदोन्नति नियमों को चुनौती देने से जुड़ा है। इनके खिलाफ 40 से अधिक

याचिकाएं दायर की गई थीं। इन पर चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की खंडपीठ ने सुनवाई की थी। 17 फरवरी तक बहस पूरी हो चुकी थी और फैसला सुरक्षित रख लिया गया था। तब से कर्मचारी इस अहम फैसले का इंतजार कर रहे हैं। अब इस मामले की सुनवाई नई बेंच के सामने होगी।

नियमानुसार नई बेंच करेगी सुनवाई

चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा को सुप्रीम कोर्ट में जज बनाया गया है। वहीं जस्टिस विनय सराफ को जबलपुर से इंदौर हाईकोर्ट भेजा गया है। ऐसे में अब नियमानुसार नई बेंच गठित होगी और वह कम से कम दो चार सुनवाई करेगी। इसके चलते अब पदोन्नति में आरक्षण का फैसला आने में समय लग सकता है, जिसका असर नई भर्तियों पर भी पड़ेगा क्योंकि जब तक कर्मचारी पदोन्नत नहीं होंगे, तब तक नए पद उपलब्ध नहीं होंगे।

पुलिस की सफलता : एक माह में 1,136 गुम एवं चोरी हुए मोबाइल बरामद

भोपाल। देशभक्ति जनसेवा के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए मध्यप्रदेश पुलिस प्रदेशभर में नागरिकों की गुम एवं चोरी हुई संपत्ति को वापस दिलाने के लिए निरंतर प्रभावी प्रयास कर रही है। आधुनिक तकनीक, साइबर विशेषज्ञता, सीईआईआर पोर्टल, साइबर हेल्प डेस्क तथा जिला पुलिस बलों के समन्वित प्रयासों के परिणामस्वरूप विगत एक माह में प्रदेश के विभिन्न जिलों में 1 हजार 136 गुम एवं चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को लौटाए गए हैं। बरामद मोबाइलों की कुल अनुमानित कीमत लगभग 2 करोड़ 18 लाख रुपये है। मोबाइल फोन वापस प्राप्त होने पर नागरिकों ने मध्यप्रदेश पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया तथा पुलिस के प्रति उनका विश्वास और अधिक सुदृढ़ हुआ है।

21 जून को संस्कारधानी के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में गूंजेगा स्वस्थ जीवन का संदेश

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियां तेज

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून को प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उच्च शिक्षा विभाग ने इस संबंध में सभी विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों, महाविद्यालयों के प्राचार्यों तथा संबंधित संस्थानों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए हैं। जारी निर्देशों के अनुसार, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2026 के लिए निर्धारित गतिविधियों के अनुरूप योग दिवस कार्यक्रम

आयोजित किए जाएंगे। विभाग ने सभी संस्थानों से विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा है।

सामूहिक योग कार्यक्रम में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को योग के अनुकूल आरामदायक वेशभूषा धारण करने के निर्देश भी दिए गए हैं। उच्च शिक्षा विभाग के अनुसार योग दिवस कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे।

योग के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाएं

सभी विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं क्षेत्रीय कार्यालयों को कार्यक्रम का सुनिश्चित करने तथा 21 जून को आयोजित गतिविधियों की समेकित प्रतिवेदन रिपोर्ट 24 जून तक विभाग को भेजने के निर्देश दिए गए हैं। उच्च शिक्षा विभाग का उद्देश्य योग के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाएं। स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना तथा विद्यार्थियों में शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना है।

छग के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना का किया अध्ययन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना के क्रियान्वयन संबंधी जानकारी लेने और इसमें विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करने के लिये छत्तीसगढ़ स्टेट सिविल सप्लाई कार्पोरेशन के अधिकारियों का एक दल मध्यप्रदेश भ्रमण पर है। इस दल ने गुरूवार को खाद्य संचालनालय में अधिकारियों से योजना की कार्य प्रणाली, परिवहन व्यवस्था, आईटी आधरित मॉनीटरिंग प्रणाली, संबंधित विभागों के बीच समन्वय, हित धारकों की भूमिका तथा खाद्यान वितरण व्यवस्था में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में जानकारी ली।

अपर संचालक खाद्य श्री एचएस परमार एवं अन्य अधिकारियों ने योजना के क्रियान्वयन के संबंध में पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन दिया। छत्तीसगढ़ के

9954-मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना

लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत प्रदाय केन्द्र से उचित मूल्य दुकानों तक राशन सामग्री के परिवहन का कार्य परिवहनकर्ता ठेकेदार के स्थान पर बेरोजगार युवकों के माध्यम से कराकर उन्हें रोजगार उपलब्ध कराने के लिये मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना नवाचार के रूप में लागू की गई है। इसमें लगभग 900 परिवहन कर्ता हैं। मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजनांतर्गत ऋण स्वीकृति से 7.5 मीट्रिक टन क्षमता के वाहन उपलब्ध कराएँ गए हैं। वाहनों के लिये राज्य सरकार द्वारा 1.25 लाख रूपये प्रति वाहन मार्जिन मनी और 3 प्रतिशत ब्याज अनुदान दिया जाता है।

मेट्रो एंकर | चार साल में सब्जी उत्पादन में ऐतिहासिक उछाल

मप्र देश का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक , 21.58 लाख मीट्रिक टन की वृद्धि

किसान कल्याण वर्ष में 54 हजार हेक्टेयर क्षेत्र विस्तार का लक्ष्य

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश ने कृषि और उद्यानिकी क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए देश में सब्जी उत्पादन के क्षेत्र में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। पिछले चार वर्षों में प्रदेश के सब्जी उत्पादन में 21.58 लाख मीट्रिक टन की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मनाए जा रहे ÷किसान कल्याण वर्ष÷ के दौरान सरकार ने किसानों की आय बढ़ाने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने के लिए सब्जी क्षेत्र विस्तार को विशेष प्राथमिकता दी है।

उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा ÷समृद्ध किसान-समृद्ध मध्यप्रदेश÷ थीम के तहत व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई है। प्रदेश की अनुकूल जलवायु, उपजाऊ भूमि, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार तथा आधुनिक तकनीकों के बढ़ते उपयोग ने सब्जी उत्पादन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। वर्ष 2022-23 में जहां प्रदेश में 236.41 लाख मीट्रिक टन सब्जियों का उत्पादन हुआ था, वहीं वर्ष 2024-25 में यह बढ़कर 257.99 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गया।

राष्ट्रीय स्तर पर सब्जियों का कुल उत्पादन लगभग 2177 लाख मीट्रिक टन है, जिसमें मध्यप्रदेश की हिस्सेदारी करीब 259 लाख मीट्रिक टन है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि देश की खाद्य एवं पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने में मध्यप्रदेश की भूमिका लगातार मजबूत होती जा रही है। प्रदेश के लाखों किसान न केवल अपनी आय बढ़ा रहे हैं, बल्कि देशभर में सब्जियों की बढ़ती मांग को भी पूरा कर रहे हैं।

प्रदेश में प्याज, आलू, टमाटर, बैंगन, फूलगोभी, पत्तागोभी, मटर, भिंडी, पालक, लौकी, मूली, करेला, गाजर, शकरकंद और शिमला मिर्च सहित अनेक प्रकार की सब्जियों का उत्पादन किया जाता है। इनमें प्याज उत्पादन का विशेष महत्व है। वर्ष 2022-23 में प्याज की खेती का रकबा 2.17 लाख हेक्टेयर था, जो 2024-25 में बढ़कर लगभग 2.30 लाख हेक्टेयर हो गया है। यह बढ़ोतरी किसानों के बढ़ते विश्वास और बाजार में प्याज की लगातार मांग को दर्शाती है।

54 हजार हेक्टेयर में होगा सब्जी क्षेत्र का विस्तार

किसान कल्याण वर्ष के अंतर्गत उद्यानिकी विभाग ने प्रदेश में 54 हजार हेक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र में सब्जी उत्पादन बढ़ाने का लक्ष्य तय किया है। इसके तहत 16,500 हेक्टेयर में प्याज, 13,300 हेक्टेयर में आलू, 9,800 हेक्टेयर में टमाटर, 3,500 हेक्टेयर में मटर, 3,500 हेक्टेयर में फूलगोभी एवं पत्तागोभी, 1,200 हेक्टेयर में उच्च मूल्य वाली सब्जियां तथा 6,200 हेक्टेयर में कद्दूवर्गीय फसलों का विस्तार किया जाएगा।

मरती नदी का शोक

जब कोई नदी मरती है, तो उसकी मृत्यु का समाचार अचानक नहीं आता। वह धीरे-धीरे घटित होती है। पहले उसकी छोटी धाराएं गायब होती हैं, फिर उसके किनारे बदलते हैं, उसके प्रवाह की गति कम होती है और एक दिन वह केवल नक्शों, तस्वीरों और स्मृतियों में बची रह जाती है। गंगा के साथ भी शायद कुछ ऐसा ही हो रहा है। फर्क सिर्फ इतना है कि यह संकट आंखों से कम और आंकड़ों में ज्यादा दिखाई दे रहा है। देश में गंगा को लेकर चर्चा अक्सर उसकी सफाई, प्रदूषण या धार्मिक महत्व तक सीमित रहती है। लेकिन नदी का जीवन केवल उसके मुख्य प्रवाह में नहीं बसता। उसकी असली शक्ति उन हजारों छोटी जलधाराओं में होती है जो दूर-दराज के खेतों, पहाड़ियों और जंगलों से निकलकर उसे जीवन देती हैं। यदि इन्हीं स्रोतों का अस्तित्व समाप्त होने लगे, तो गंगा जैसी विशाल नदी भी भीतर से कमजोर पड़ने लगती है। चिंताजनक तथ्य यह है कि देश के विभिन्न हिस्सों में फैली असंख्य छोटी जलधाराएं तेजी से लुप्त हो रही हैं। बुंदेलखंड जैसे क्षेत्र, जहां पानी पहले से ही संघर्ष का विषय है, इस संकट को और अधिक गहराई से महसूस कर रहे हैं। वहां की छोटी नदियों और जलग्रहण क्षेत्रों का सिकुड़ना केवल स्थानीय समस्या नहीं है। यह उस विशाल जल-तंत्र की कमजोरी का संकेत है, जिसकी अंतिम कड़ी गंगा है। विडंबना यह है कि विकास के नाम पर हमने उन्हीं प्राकृतिक प्रणालियों को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया है जो हमें जीवन देती हैं। सड़कों, भवनों और औद्योगिक विस्तार की योजनाओं में जलधाराएं अक्सर सबसे कमजोर पक्ष साबित होती हैं। खनन, अंधाधुंध रेत दोहन और रासायनिक खेती ने भूमि की वह प्राकृतिक क्षमता भी कम कर दी है जो वर्षा जल को संजोकर नदियों तक पहुंचाती थी। परिणाम यह है कि बरसात का पानी तेजी से बह जाता है और नदियों तक पहुंचने से पहले ही विनाश का कारण बन जाता है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि यह संकट केवल पर्यावरण का नहीं है। इसका सीधा संबंध कृषि, भूजल, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा से है। जब छोटी धाराएं सूखती हैं, तो कुएं खाली होते हैं, खेतों की नमी घटती है और गांवों की अर्थव्यवस्था कमजोर पड़ने लगती है। आज आवश्यकता केवल नदी संरक्षण के नारों की नहीं है। जरूरत उन जलधाराओं को पहचानने और बचाने की है जो किसी नदी की जीवनरेखा होती हैं।

आईवीएफ तकनीक और पचास की उम्र के बाद अभिभावक और बच्चे का भविष्य

डॉ. प्रियंका सौरभ
स्तंभकार

विज्ञान ने मानव जीवन को अनेक सुविधाएँ और संभावनाएँ प्रदान की हैं। चिकित्सा विज्ञान की प्रगति ने उन दंपतियों के लिए भी माता-पिता बनने का मार्ग खोल दिया है, जो किसी कारणवश प्राकृतिक रूप से संतान प्राप्ति में सक्षम नहीं थे। आईवीएफ (इन विट्रो फर्टिलाइजेशन) जैसी तकनीक ने हजारों परिवारों को संतान सुख दिया है। निःस्संदेह यह आधुनिक चिकित्सा की बड़ी उपलब्धि है। किंतु हर उपलब्धि के साथ कुछ प्रश्न और जिम्मेदारियाँ भी जुड़ी होती हैं। आज जब कुछ दंपति 50-52 वर्ष या उससे अधिक आयु में, कभी-कभी कर्ज लेकर, आईवीएफ के माध्यम से माता-पिता बनने का निर्णय लेते हैं, तब इस विषय पर गंभीरता से विचार करना आवश्यक हो जाता है।

संतान की इच्छा मनुष्य की सबसे स्वाभाविक और गहरी भावनाओं में से एक है। हर व्यक्ति चाहता है कि उसका अपना परिवार हो, घर में बच्चों की किलकारियाँ गूंजें और जीवन को एक नई दिशा मिले। इसी चाहत के कारण अनेक दंपति वर्षों तक उपचार करवाते हैं और आर्थिक तथा मानसिक संघर्ष झेलते हैं। उनकी भावनाओं का सम्मान होना चाहिए लेकिन माता-पिता बनना केवल बच्चे के जन्म तक सीमित नहीं है। वास्तविक जिम्मेदारी उसके बाद शुरू होती है। बच्चे को जन्म देना अपेक्षाकृत आसान है, किंतु उसे एक जिम्मेदार, शिक्षित और आत्मनिर्भर नागरिक बनाना लंबी और चुनौतीपूर्ण प्रक्रिया है।

जब कोई दंपति 50 वर्ष की आयु में माता-पिता बनता है, तो यह स्वाभाविक है कि जब बच्चा बारहवीं कक्षा में पहुँचेगा, तब माता-पिता की आयु लगभग 68 से 70 वर्ष के बीच होगी। यह जीवन का वह चरण होता है जब अधिकांश लोग सेवानिवृत्ति के बाद आरामदायक जीवन की अपेक्षा करते हैं। उम्र बढ़ने के साथ शरीर में अनेक परिवर्तन आते हैं। उच्च रक्तचाप, मधुमेह, थायराइड, हृदय रोग, गठिया और अन्य स्वास्थ्य समस्याएँ सामान्य हो जाती हैं। ऐसे में बच्चे की पढ़ाई, करियर और भावनात्मक जरूरतों के लिए पहले जैसी सक्रियता बनाए रखना आसान नहीं होता। किशोरावस्था और युवावस्था किसी भी बच्चे के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण समय होती है। इसी अवधि में उसे सही मार्गदर्शन, आत्मविश्वास और भावनात्मक सहयोग की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, उच्च शिक्षा का चयन, करियर की योजना और जीवन से जुड़े अनेक निर्णय इसी उम्र में लिए जाते हैं। यदि उस समय माता-पिता स्वयं स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हों, तो बच्चे और परिवार दोनों पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। कई बार बच्चे को अपनी पढ़ाई और भविष्य की योजनाओं के साथ-साथ माता-पिता की देखभाल की जिम्मेदारी भी निभानी पड़ती है।

इस विषय का एक सामाजिक पक्ष भी है। विद्यालयों और सामाजिक आयोजनों में बच्चे अपने मित्रों और सहपाठियों के बीच रहते हैं। कई बार उम्रदराज माता-पिता होने के कारण बच्चों को अनावश्यक टिप्पणियों या मजाक का सामना करना पड़ सकता है। यद्यपि यह समाज की अपरिपक्वता

का परिचायक है, फिर भी इसका प्रभाव बच्चे के मनोविज्ञान पर पड़ सकता है। बच्चे अक्सर अपने साथियों के बीच स्वयं को सहज और स्वीकार्य महसूस करना चाहते हैं। ऐसी परिस्थितियाँ कभी-कभी उनके आत्मविश्वास को प्रभावित कर सकती हैं। आर्थिक दृष्टि से भी देर से मातृत्व-पितृत्व कई चुनौतियाँ प्रस्तुत करता है। आईवीएफ उपचार पर लाखों रुपये खर्च हो सकते हैं। अनेक परिवार इसके लिए अपनी बचत समाप्त कर देते हैं या ऋण लेते हैं। इसके बाद बच्चे के पालन-पोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य आवश्यकताओं पर निरंतर खर्च होता है। आज गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करना पहले की तुलना में कहीं अधिक महंगा हो चुका है। यदि माता-पिता पहले से आर्थिक दबाव में हों और सेवानिवृत्ति के निकट हों तो भविष्य में बच्चे की उच्च शिक्षा और करियर निर्माण के लिए पर्याप्त संसाधन जुटाना कठिन हो सकता है।

महिलाओं के संदर्भ में यह विषय और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। प्रकृति ने प्रजनन के लिए एक जैविक समय-सीमा निर्धारित की है। रजोनिवृत्ति या मेनोपॉज इस बात का संकेत है कि शरीर प्रजनन क्षमता के अंतिम चरण में पहुँच चुका है। आधुनिक चिकित्सा तकनीकें इस सीमा को कुछ हद तक आगे बढ़ा सकती हैं किंतु वे उम्र से जुड़ी सभी चुनौतियों को समाप्त नहीं कर सकतीं। अधिक आयु में गर्भधारण और प्रसव के दौरान स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ जाते हैं, जिन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता।

हालाँकि इस विषय पर चर्चा करते समय संतुलन बनाए रखना भी आवश्यक है। यह मान लेना उचित नहीं होगा कि अधिक आयु में माता-पिता बनने वाला हर व्यक्ति अपने बच्चे के लिए समस्या बन जाएगा। अनेक लोग 60 वर्ष की आयु में भी पूरी तरह स्वस्थ, सक्रिय और आर्थिक रूप से सक्षम होते हैं। वहीं, कई युवा माता-पिता भी अपने बच्चों को पर्याप्त समय और संसाधन नहीं दे पाते। इसलिए किसी निर्णय का मूल्यांकन केवल उम्र के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। लेकिन औसत परिस्थितियों को देखते हुए आयु एक महत्वपूर्ण कारक अवश्य है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इस संदर्भ में गोद लेने का विकल्प भी विचारणीय है। हमारे देश में हजारों ऐसे बच्चे हैं जो किसी कारणवश माता-पिता के स्नेह और संरक्षण से वंचित हैं। यदि सक्षम परिवार उन्हें अपनाएँ तो न केवल उन बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो सकता है बल्कि परिवारों को भी संतान सुख प्राप्त हो सकता है। दुर्भाग्य से आज भी समाज में जैविक संतान को अधिक महत्व दिया जाता है, जिसके कारण अनेक लोग गोद लेने जैसे सकारात्मक विकल्प पर गंभीरता से विचार नहीं करते। वास्तव में माता-पिता बनने का अर्थ केवल अपनी इच्छा पूरी करना नहीं है। इसका अर्थ है आने वाले बीस-पच्चीस वर्षों तक बच्चे के जीवन में सक्रिय भागीदारी निभाना, उसके सपनों को समर्थन देना और हर परिस्थिति में उसके साथ खड़ा रहना। इसलिए संतान प्राप्ति का निर्णय लेते समय केवल वर्तमान की खुशी नहीं, बल्कि भविष्य की जिम्मेदारियों को भी ध्यान में रखना चाहिए। भावनाएँ महत्वपूर्ण हैं, लेकिन दूरदर्शिता भी उतनी ही आवश्यक है।

अंततः प्रश्न आईवीएफ या चिकित्सा विज्ञान का नहीं है। प्रश्न यह है कि क्या हम अपने निर्णयों के दीर्घकालिक परिणामों पर पर्याप्त विचार कर रहे हैं। संतान जीवन की सबसे बड़ी खुशियों में से एक है लेकिन वह एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। इसलिए देर से मातृत्व-पितृत्व का निर्णय लेने से पहले स्वास्थ्य, आर्थिक स्थिति, सामाजिक परिस्थितियों और सबसे बढ़कर बच्चे के भविष्य को केंद्र में रखकर सोचने की आवश्यकता है। क्योंकि किसी भी बच्चे का सर्वोत्तम हित ही हर निर्णय का आधार होना चाहिए। यही परिपक्व अभिभावकत्व की पहचान है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

बाल श्रम निषेध दिवस

बाल मजदूरी रोकना सिर्फ कोई कानूनी नियम नहीं, यह इंसानियत का तकाजा

दिलीप कुमार पाठक
स्तंभकार

यह हमारे समाज का एक ऐसा कड़वा सच है जिसे हम रोज देखते हैं और देखकर भी आगे बढ़ जाते हैं। एक तरफ वे बच्चे हैं जो सुबह-सुबह अच्छे कपड़े पहनकर, भारी-भारी बैग टांगे स्कूल जाते दिखते हैं। उनकी आंखों में ढेर सारे सपने होते हैं। वहीं दूसरी तरफ, ठीक उसी सड़क के पार किसी दुकान या ढाबे पर कोई छोटा सा बच्चा जूठे बर्तन साफ कर रहा होता है। उसके हाथ काम करते-करते थक चुके होते हैं और उसके चेहरे पर सिर्फ एक ही डर होता है कि कहीं मालिक डांट न दे।

यह कहानी किसी एक शहर की नहीं है, हमारे आस-पास हर जगह यही हाल है। हर साल 12 जून को हम बाल श्रम निषेध दिवस मनाकर सोच लेते हैं कि हमने अपना फर्ज पूरा कर दिया, लेकिन सच तो यह है कि एक दिन तय कर देने से इन बच्चों की जिंदगी नहीं बदलती। बचपन का मतलब क्या होता है? बचपन यानी बिना किसी टेंशन के जीना, दोस्तों के साथ खेलना, मिट्टी में खेलना और बस मजे करना। लेकिन जब इन्हीं नन्हे हाथों में खिलौनों या किताबों की जगह भारी ईंटें,

चाय के कप या साफ-सफाई का झाड़ू थमा दिया जाता है, तो सिर्फ एक बच्चा मजदूरी नहीं कर रहा होता बल्कि उस बच्चे का पूरा भविष्य हमेशा के लिए खत्म हो जाता है। गरीबी और लाचारी इन बच्चों से हंसने-खेलने के दिन छीन लेती है। कारखानों के गंदे धुएं में, छोटे होटलों के बर्तनों के बीच और खेतों की तेज धूप में इनका बचपन इस तरह पिस जाता है कि ये बच्चे ढंग से मुस्कुराना तक भूल जाते हैं। अब सवाल यह है कि इतनी छोटी सी उम्र में इन बच्चों को पढ़ाई छोड़कर काम पर क्यों लगना पड़ता है? इसका सबसे सीधा जवाब है - घर की गरीबी और लाचारी। जब किसी परिवार में दो वक्त के खाने का ठिकाना न हो, तो मजबूर होकर मां-बाप अपने ही बच्चे को थोड़े से पैसों के लिए काम पर भेज देते हैं। लेकिन इस लाचारी का सबसे गंदा फायदा हमारा पढ़ा-लिखा समाज उठाता है। छोटे दुकानदार, ठेकेदार और यहाँ तक कि बड़े घरों के लोग भी बच्चों को काम पर रखना पसंद करते हैं। क्यों? क्योंकि बच्चे बहुत कम पैसों में बिना कोई नखरा किए दिन-रात काम करते हैं, और वे अपने हक के लिए कभी लड़ भी नहीं सकते। यह एक ऐसा चक्रव्यूह है जिसमें फंसा हुआ बच्चा कभी पढ़-लिख नहीं पाता और बड़ा होकर भी इसी गरीबी में फंसा रह जाता है। कहने को तो हमारे देश में बाल मजदूरी के खिलाफ बहुत कड़े कानून बने हुए हैं। कानून कहता है कि 14 साल से कम उम्र के बच्चों से काम कराना जुर्म है और हर बच्चे को स्कूल जाने का पूरा हक है। लेकिन सच यह है कि सिर्फ कागजों पर नियम बना देने से किसी गरीब का पेट नहीं भरता। जब तक जमीनी स्तर पर जाकर इन नियमों को सख्ती से लागू नहीं किया जाएगा, तब तक हर नुक्कड़ और चौराहे पर हमें कोई न कोई बच्चा गाड़ियां साफ करता हुआ या चाय की केतली थामे हुए ही दिखेगा। हम हमेशा सरकार और सिस्टम को कोसकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेते हैं। लेकिन समाज को बदलने की शुरुआत हमारे अपने घर और हमारी सोच से होती है। अगली बार जब आप किसी दुकान या होटल पर किसी बच्चे को काम करते देखें, तो वहां से चुपचाप चाय पीकर निकलने के बजाय दुकानदार से टोककर सवाल करें। अपने खुद के घरों में छोटे बच्चों से काम करवाना बिल्कुल बंद करें। अगर हम थोड़े भी सक्षम हैं, तो किसी एक गरीब बच्चे की पढ़ाई का खर्चा उठाने की जिम्मेदारी ले सकते हैं। बाल मजदूरी को रोकना सिर्फ कोई कानूनी नियम नहीं है, बल्कि यह हमारी इंसानियत का तकाजा है। कोई भी देश तब तक तरक्की नहीं कर सकता, जब तक उसकी आने वाली पीढ़ी अनपढ़ रहे। आइए, इस बाल श्रम निषेध दिवस पर सिर्फ बड़े-बड़े भाषण न दें, बल्कि अपने दिल से एक वादा करें। अपने आस-पास किसी भी बच्चे का बचपन चोरी होने से बचाएं।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ टिप्स

मैग्नीशियम से भी कंट्रोल हो सकता है कोलेस्ट्रॉल... सही मात्रा के लिए सलाह जरूरी

शरीर के अंगों को कार्य करने के लिए भोजन से प्राप्त विटामिन और मिनरल्स की आवश्यकता होती है। हालांकि, व्यक्ति की मांसपेशियों, हार्ट हेल्थ, ब्लड शुगर को कंट्रोल करने और नसों के कार्य में मैग्नीशियम मुख्य भूमिका निभाता है। बीते कुछ वर्षों से मैग्नीशियम सप्लीमेंट्स हार्ट हेल्थ को बेहतर करने में उसकी भूमिका को लेकर काफी लोकप्रिय हुए हैं। इन फायदों में कोलेस्ट्रॉल मैनेज करना भी शामिल किया जाता है। हालांकि, मैग्नीशियम हाई कोलेस्ट्रॉल को ठीक करने का कोई जादुई इलाज

नहीं है, लेकिन कई स्टीज यह बताती है कि मैग्नीशियम अप्रत्यक्ष रूप से कोलेस्ट्रॉल के लेवल और हार्ट हेल्थ पर असर डाल सकता है। कॉडियोलॉजिस्ट डॉक्टर रवि प्रकाश (पीएसआरआई हॉस्पिटल, दिल्ली) कहते हैं कि इसे लेने से पहले आपको यह जानना बेहद आवश्यक होता है कि मैग्नीशियम कोलेस्ट्रॉल पर क्या असर डालता है और क्या यह कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मददगार हो सकता है? कुछ रिसर्च बताती हैं कि मैग्नीशियम का सही स्तर 'अच्छे' कोलेस्ट्रॉल और 'खराब' कोलेस्ट्रॉल के बीच संतुलन को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है, साथ ही ट्राइग्लिसराइड के स्तर को भी स्वस्थ बनाए रखने में सहायक हो सकता है। इतना ही नहीं मैग्नीशियम ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर करने और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में भी मददगार साबित होता है।

इसके लिए व्यक्ति को खानपान में बदलाव, रेगुलर एक्सरसाइज और समय-समय पर डॉक्टर की सलाह की आवश्यकता होती है। इन सभी चीजों से कोलेस्ट्रॉल प्रभावी रूप से नियंत्रित होता है। यदि, कोई व्यक्ति कोलेस्ट्रॉल के लिए मैग्नीशियम सप्लीमेंट्स लेने के बारे में विचार कर रहा है तो सबसे पहले उसे किसी एक्सपर्ट या डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए।

मैग्नीशियम आपको स्वस्थ बनाने में मुख्य भूमिका निभाता है। लेकिन, यदि आप इसे सप्लीमेंट्स के रूप में अधिक लेते हैं तो यह कई तरह के साइड इफेक्ट्स का कारण भी बन सकता है। अधिक मैग्नीशियम लेने से आपके शरीर पर हल्के और गंभीर दोनों तरह के प्रभाव देखने को मिल सकते हैं।मैग्नीशियम की अधिकता से होने वाले साइड इफेक्ट्स से बचने के लिए डॉक्टर के द्वारा बताई गई डोज के आधार पर ही मैग्नीशयम सप्लीमेंट लेने चाहिए। साथ ही, यदि आपको पहले से किसी तरह का रोग है तो ऐसे में डॉक्टर की सलाह के बाद ही मैग्नीशियम लें।

सुविचार

अनुशासन एक ऐसा तरीका है जो उसमें कामयाब हो गया वो हर कार्य में जीत सकता है।

-अज्ञात

निशाना

मत पूछो कैसे हैं लोग..!

नीतिराज चौरे 'नीति'

मत पूछो कैसे है लोग, देखो कैसे-कैसे लोग...!!
रोड पे चलते जाते लोग,कचरा वही फैलाते लोग,
रोड पे घर को लाते लोग, कब्जा वहां जमाते लोग,
पूछने पर गुर्राते लोग, देखो कैसे-कैसे लोग,
मत पूछो कैसे हैं लोग, देखो कैसे-कैसे लोग...!!
पानी व्यर्थ बहाते लोग, ना मिलने पर लड़ जाते लोग,
पेड़ो को कटवाते लोग, फल की आस लगाते लोग,
बिजली व्यर्थ करे उपभोग, चोरी में माहिर ये लोग,
कुछ कहो तो रोष दिखाते लोग, देखो कैसे-कैसे लोग,
मत पूछो कैसे हैं लोग, देखो कैसे-कैसे लोग...!!

यूजर्स गाइड

आईआरसीटीसी की जगह 15 जुलाई तक आएगी ट्रेन टिकट बुकिंग की नई वेबसाइट

अगर आप भी IRCTC की वेबसाइट पर टिकट बुक करते समय कैप्चा कोड के चक्रव्यूह में या वेबसाइट के स्लो होने से परेशान हैं, तो एक बिल्कुल नई और अपग्रेडेड वेबसाइट 15 जुलाई 2026 तक लॉन्च की जाएगी। यह फैसला कुछ छात्रों की शिकायत के बाद लिया गया दरअसल, IRCTC पोर्टल पर टिकट बुक कराना हमेशा से थोड़ा मुश्किल काम रहा है। आम यात्रियों को इस पोर्टल पर कैप्चा कोड की उलझन, तत्काल टिकट बुक करने के समय पर सर्वर के क्रैश होने, पैसे कटने पर टिकट न मिलने और OTP में देरी जैसी समस्याओं से दो-चार होना पड़ता है।

इसी संबंध में केंद्रीय रेल मंत्री को छात्रों ने सूचित किया था। जिस पर रेल मंत्री ने फोन लगाकर 30 दिन में नई और बेहतर वेबसाइट बनाने का निर्देश अधिकारियों को दिया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव जयपुर दौरे के दौरान कुछ छात्रों से मिल रहे थे, जहां उन्हें IRCTC पोर्टल की टेक्निकल कंनियों के बारे में बताया गया। एक छात्रा ने खास तौर पर वेबसाइट के धीमे कैप्चा सिस्टम और बुकिंग के दौरान होने वाली अन्य दिक्कतों की जानकारी दी। इस पर रेल मंत्री ने तुरंत एक्शन लेते हुए अधिकारियों को नई वेबसाइट के आदेश दिए। उन्होंने साफ कहा कि नई वेबसाइट 15 जुलाई तक जनता के लिए उपलब्ध करा दी जाएगी।

IRCTC पोर्टल कोई आम वेबसाइट नहीं है। इस पर रोजाना लाखों-करोड़ों लोगों का लोड पड़ता है, जिसकी वजह से कई टेक्निकल समस्याएं भी आमतौर पर देखने को मिलती हैं। केंद्रीय रेल मंत्री से छात्रों ने मुख्य रूप से कैप्चा को लेकर होने वाली सिरदर्दी की परेशानी को उजागर किया था। खासकर तत्काल बुकिंग के समय पर जब हर एक सेकंड कीमती होता है, तब मुश्किल कैप्चा को समझ पाना बड़ी परेशानी बन जाता है। इसी तरह तत्काल टिकट बुक करने के समय पर वेबसाइट का सर्वर क्रैश हो जाना भी आम बात है। वेबसाइट के साथ एक टेक्निकल समस्या यह भी है कि इस पर लोगों को OTP पाने में काफी समय लग जाता है। कई बार OTP आने तक उपलब्ध टिकट खत्म हो जाती हैं।

नई वेबसाइट कैसी होगी?: वेबसाइट को इस तरह से तैयार किया जाएगा जिससे लोगों को टिकट बुक करवाते समय बेहतर अनुभव मिले। रिपोर्ट्स के मुताबिक नई वेबसाइट पर नया यूजर फ्रेंडली इंटरफेस देखने को मिल सकता है। इसके अलावा वेबसाइट की परफॉर्मेंस पहले से बेहतर होने की बात कही जा रही है। पीक आवर्स या तत्काल बुकिंग के समय भी साइट क्रैश नहीं होगी। यात्रियों की पेमेंट गेटवे में नहीं फंसेगी और कुल मिलाकर टिकट बुक कराना काफी आसान हो जाएगा। डेवलपर्स पहले से मौजूद मुख्य डेटाबेस के लिए तेज यूजर इंटरफेस बनाकर IRCTC वेबासइट परटिकट बुक कराना आसान बना सकते हैं। इस काम में AI की मदद भी ली जा सकती है, जिससे वेबसाइट के लिए कोडिंग करने में कई दिन नहीं चंद घंटे लगेंगे।

वायरल कंटेंट

भारत की बस में यात्रा... पहले डर लगा लेकिन फिर अभिभूत हो गईं पोलैंड की डोमेनिका

इंटरनेट पर आए दिन विदेशी ब्लॉगर्स के भारत यात्रा के वीडियो वायरल होते रहते हैं.। कुछ लोग यहां की कमियों को दिखाते हैं, तो कुछ भारत की असली आत्मा और उसकी तरक्की से रूबरू कराते हैं। इन दिनों सोशल मीडिया पर पोलैंड की रहने वाली एक विदेशी महिला का ऐसा ही एक दिल जीत लेने वाला अनुभव वायरल हो रहा है, जिसने हर भारतीय का दिल खुश कर दिया है।

पोलैंड की डोमिनिका पतालास-कालरा ने पहली बार भारत में किसी बस से सफर किया। सफर छोटा-मोटा नहीं बल्कि पूरे 11 घंटे का था। इस यात्रा को शुरू करने से पहले डोमिनिका

के मन में अजीब सा डर और घबराहट थी, क्योंकि उन्होंने भारत के पब्लिक ट्रांसपोर्ट को लेकर कई तरह की अफवाहें सुन रखी थीं। लेकिन जब यह 11 घंटे का सफर खत्म हुआ, तो डोमिनिका का नजरिया 180 डिग्री बदल चुका था। डोमिनिका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस सफर का एक बेहद खूबसूरत और इमोशनल वीडियो शेयर किया है। उन्होंने बताया कि वह भारत में पहली बार बस यात्रा करने जा रही थीं और 11 घंटे के लंबे सफर के ख्याल से ही उनके हाथ-पैर फूल रहे थे। उन्हें लगा था कि बस खटारा होगी, भीड़ होगी और रास्ता बेहद मुश्किल होगा।

फ्लाइट जैसा मिला वेलकम गिफ्ट: डोमिनिका के आश्चर्य का ठिकाना तब नहीं रहा, जब बस में बैठते ही स्टाफ ने उन्हें मुस्कुराते हुए एक 'वेलकम गिफ्ट बैग' थमा दिया। इस बैग के अंदर वेट टिश्यू, एक डेंटल किट (ब्रश और पेस्ट), तरह-तरह के स्वादिष्ट स्नैक्स और जूस मौजूद थे। डोमिनिका ने कहा कि उन्हें ऐसा लगा जैसे वह किसी इंटरनेशनल फ्लाइट के बिजनेस क्लास में सफर कर रही हों। इसके बाद उन्हें ओढ़ने के लिए साफ-सुथरा कंबल दिया गया, जिसके बाद वह बेफिक्र होकर सो गईं। सबसे खास बात यह रही कि भारी ट्रैफिक के बावजूद बस बिल्कुल तय समय पर अपनी मंजिल पर पहुंची।

रसीले गुलाब जामुन का स्वाद: इस सफर का सबसे खूबसूरत मोड़ तब आया जब रात के खाने के लिए बस एक बेहतरीन हाइवे रेस्टोरेंट पर रुकी। डोमिनिका को लगा था कि शायद कोई साधारण सा खाना मिलेगा, लेकिन वहां उनके लिए पूरे शाही खाने का इंतजाम था। खाने के बाद जब उन्हें मीठे में रसीले गुलाब जामुन परोसे गए, तो वह भारत के स्वाद की दीवानी हो गईं। इतना ही नहीं, सुबह आंख खुलते ही उनके हाथ में एक ब्रेकफास्ट बॉक्स भी था। डोमिनिका का यह वीडियो सोशल मीडिया पर फैल गया है और लोग इसे भारत की एक बेहद सकारात्मक और उभरती हुई तस्वीर के रूप में देख रहे हैं।

न्यूज विंडो

निर्माणाधीन पार्क में हुई तोड़फोड़ असामाजिक तत्वों पर होगी FIR

तेंदूखेड़ा। नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 9 स्थित निर्माणाधीन पार्क में अज्ञात असामाजिक तत्वों ने बुधवार-गुरुवार की रात जमकर तोड़फोड़ कर दी। करीब 22 लाख रुपय की लागत से तैयार हो रहे इस पार्क में लगी कुर्सियां, बच्चों के झूले और सौर ऊर्जा लाइट पोल क्षतिग्रस्त कर दिए गए, जिससे लगभग 80 से 90 हजार रुपये की क्षति हुई है। गुरुवार सुबह मॉर्निंग वॉक पर पहुंचे लोगों ने पार्क की बदहाल स्थिति देखकर नगर परिषद को सूचना दी। पार्क का निर्माण लगभग अंतिम चरण में था और जल्द ही इसका लोकार्पण होना था। घटना के बाद नगरवासियों में आक्रोश है और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग उठ रही है। नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि सत्येंद्र जैन ने बताया कि सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई जा रही है और एफआईआर की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। वहीं, नगर निरीक्षक रविंद्र बागरी ने बताया कि आवेदन प्राप्त हो गया है तथा मामले में वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

नए सीएमओ राजेंद्र सिंह लोधी ने संभाली कमान, पेयजल व्यवस्था के लिए निर्देश

तेंदूखेड़ा। नगर परिषद तेंदूखेड़ा में नवपदस्थ मुख्य नगर परिषद अधिकारी (सीएमओ) राजेंद्र सिंह लोधी ने पदभार ग्रहण करते ही नगर प्रशासन को चुस्त-दुरुस्त बनाने की दिशा में पहल शुरू कर दी। कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने नगर परिषद कार्यालय का निरीक्षण कर विभिन्न शाखाओं का जायजा लिया और कर्मचारियों से परिचय प्राप्त कर उनके कार्यों की जानकारी ली। बैठक के दौरान सीएमओ ने अधिकारियों और कर्मचारियों को समयबद्ध, पारदर्शी एवं जिम्मेदारीपूर्ण कार्यशैली अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। इसके साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को उनका शीघ्र एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। नगर में पेयजल समस्या को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने जलापूर्ति व्यवस्था की विस्तृत जानकारी ली और नियमित एवं पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नगरवासियों की मूलभूत समस्याओं का त्वरित समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।

4.47 लाख का बिजली बिल 98 हजार हुआ, फिर भी नहीं मिला कनेक्शन

तेंदूखेड़ा। ग्राम मोहरा निवासी आनंद कुमार लोधी ने बिजली विभाग के 4 लाख 47 हजार रुपए के कथित गलत बिजली बिल को बिजली उपभोक्ता फोरम में चुनौती देकर बड़ी राहत हासिल की है। विस्तृत जांच के बाद फोरम ने बिल को संशोधित कर मात्र 98 हजार रुपए निर्धारित किया और 2 जून के आदेश में पहले बिजली कनेक्शन बहाल करने, उसके बाद संशोधित राशि जमा कराने के निर्देश दिए। आनंद कुमार के अनुसार उनकी पत्नी लक्ष्मी बाई के नाम से संचालित राइस मिल वर्ष में केवल चार माह चलती है, फिर भी विभाग लगातार भारी-भरकम बिल जारी कर रहा था। कई शिकायतों के बावजूद समाधान नहीं मिलने पर उन्होंने उपभोक्ता फोरम की शरण ली। हालांकि उपभोक्ता का आरोप है कि फोरम के स्पष्ट आदेश के बावजूद हर्ई विद्युत वितरण केंद्र ने अब तक बिजली आपूर्ति बहाल नहीं की है। इससे राइस मिल का संचालन प्रभावित हो रहा है और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। मामले ने बिजली विभाग की बिलिंग व्यवस्था और शिकायत निवारण प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

तीन साल से 50 हजार की अंतिम किस्त के लिए बैंक और नगर परिषद के चक्कर लगा रही विधवा

तेंदूखेड़ा। प्रधानमंत्री आवास योजना की अंतिम किस्त के लिए नगर परिषद क्षेत्र की एक गरीब विधवा महिला पिछले तीन वर्षों से कार्यालयों के चक्कर काटने को मजबूर है। वार्ड क्रमांक 14 निवासी सुमत बाई नाथ का आरोप है कि नगर परिषद और बैंक के परस्पर विरोधी दावों के कारण उन्हें अब तक लगभग 50 हजार रुपए की अंतिम किस्त नहीं मिल सकी है। सुमत बाई ने बताया कि उनके दिवंगत पति सुखचैन नाथ के नाम पर आवास स्वीकृत हुआ था। शुरुआती किस्त मिलने के बाद परिवार ने अपनी जमा पूंजी और उधार लेकर मकान का निर्माण पूरा कर लिया, लेकिन पति के निधन के बाद परिवार की जिम्मेदारी उन पर आ गई। वर्ष 2022 से वह लगातार नगर परिषद और बैंक के चक्कर लगा रही हैं। नगर परिषद का कहना है कि राशि खाते में भेज दी गई है, जबकि बैंक इसे प्राप्त होने से इंकार कर रहा है। आर्थिक रूप से कमजोर सुमत बाई मजदूरी कर जीवनयापन करती हैं। भीषण गर्मी में भी वह प्रतिदिन पैदल बैंक और नगर परिषद पहुंचती हैं, लेकिन हर बार निराश लौटना पड़ता है। उन्होंने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर लंबित राशि दिलाने की मांग की है। नगर परिषद के उपयंत्री भूपेंद्र सिंह ने कहा कि मामले का पूरा स्टेटमेंट निकलवाकर जांच की जाएगी और यह पता लगाया जाएगा कि राशि किस खाते में भेजी गई है। जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

आंधी-तूफान से टूटी 33 केवी लाइन, कई गांवों में बिजली आपूर्ति बाधित

तेंदूखेड़ा। तेज आंधी-तूफान से गुरुवार सुबह आए तारादेही क्षेत्र की 33 केवी विद्युत लाइन के दो पोल क्षतिग्रस्त होकर गिर गए, जिससे आसपास के कई गांवों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। सूचना मिलते ही विद्युत वितरण कंपनी के सहायक अभियंता मोहम्मद फरीद अंसारी ने टीम को मौके पर रवाना किया। विभागीय कर्मचारियों ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद क्षतिग्रस्त पोल हटाकर नए पोल स्थापित किए और लाइन को दुरुस्त किया। इसके बाद तकनीकी परीक्षण के बाद विद्युत आपूर्ति पुनः सुचारू कर दी गई। लाइनमैन सुधीर पटेरिया ने बताया कि त्वरित कार्रवाई से बड़ी समस्या टल गई। सहायक अभियंता ने कहा कि उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति देना विभाग की प्राथमिकता है।

नपाध्यक्ष और सीएमओ की जनसुनवाई में आवेदकों को तत्काल मिली राहत

बीटीआई में पेयजल समस्या के लिए भेजी टीम और त्वरित बनाया गया संबल कार्ड

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नगरपालिका में हुई जनसुनवाई की शुरुआत से नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो रहा है। गुरुवार को हुई जनसुनवाई में अनेक नागरिकों की समस्याओं का समाधान किया गया। साथ ही जांच योग्य आवेदनों के लिए संबंधित शाखाओं को भेजा गया।

प्रभारी कार्यालय अधीक्षक हरीश गोस्वामी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले द्वारा जनसुनवाई की गई।

तत्काल मिली पीएम आवास की राशि

जनसुनवाई में वार्ड क्रमांक 11 की आवेदिका सपना तोमर द्वारा आवेदन दिया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना की लिस्ट में नाम है, लेकिन राशि अभी आई नहीं है। इसकी तत्काल जांच कराई गई। महिला का खाता आधार कार्ड से जुड़ा नहीं होने के कारण यह समस्या आ रही थी। डीवीटी कराने के तत्काल बाद पीएम आवास योजना की राशि उनके खाते में भेजी गई।

इधर, वार्ड नंबर 27 बीटीआई क्षेत्र में पेयजल सप्लाई में प्रेशर नहीं होने के कारण कुछ घरों में पानी नहीं पहुंच रहा था, जिसकी शिकायत लेकर सौरभ थापक और वार्डवासी आए। शिकायत को ध्यान में रखते हुए तत्काल प्रभाव से पेयजल शाखा की टीम को मौके पर पहुंचाया और वाल्व ठीक कराने का कार्य शुरुआत कराई गई।

संबल कार्ड मिला, खुश हुए परिजन

वार्ड क्रमांक 33 की महिला नीता वर्मा द्वारा संबल कार्ड के लिए आवेदन किया गया। कुछ ही समय में महिला का संबल कार्ड बनाकर दिया गया। संबल पाकर महिला और उसके परिजन बेहद खुश हुए। त्वरित समाधान से नागरिकों को लाभ मिला।

प्रभारी कार्यालय अधीक्षक गोस्वामी ने बताया कि इसके अलावा भी पेयजल, नाले नालियों की सफाई, अतिक्रमण हटाने, राशन पर्ची, अवैध निर्माण संबंधी समस्याएं आई जिनकी जांच उपरांत निराकरण के निर्देश संबंधित शाखा को दिए गए।

जनसुनवाई में उपयंत्री रीना गुप्ता, आयुषी रिछारिया, पार्षदगण बिंदिया मांझी, नरेंद्र पटेल, एल्डरमेन संतोष मीना, पीएम आवास प्रभारी दीपक गौर, संबल प्रभारी संदीप यादव आदि उपस्थित रहे।

सब्जी मंडी : थोक व्यापारियों की लापरवाही से फैल रही गंदगी, मवेशियों की जान को खतरा

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

शहर की पुरानी कृषि मंडी इन दिनों थोक सब्जी एवं फल व्यापारियों की लापरवाही के चलते गंदगी का केंद्र बनती जा रही है। मंडी परिसर और आसपास के खुले मैदानों में सड़े-गले फल, सब्जियां तथा फलों की पैकिंग का कचरा खुलेआम फेंका जा रहा है, जिससे पूरे क्षेत्र में दुर्गंध और अस्वच्छता का माहौल बना हुआ है। जानकारी के अनुसार मंडी में प्रतिदिन बड़ी मात्रा में निकलने वाले खराब फल-सब्जियों और पैकिंग सामग्री का उचित निस्तारण नहीं किया जा रहा है। इसके बजाय कचरे को खुले मैदान में डाल दिया जाता है, जहां जगह-जगह गंदगी के ढेर नजर आते हैं। कचरे के कारण बड़ी संख्या में आवारा मवेशियों का जमावड़ा लगा रहता है। भोजन की तलाश में पहुंचने वाले मवेशी सड़े फल-सब्जियों के साथ इन रसायनिक अवशेषों को भी खा लेते हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बनी रहती है।

करोड़ों की कॉलेज बिल्डिंग में भ्रष्टाचार का आरोप, NSUI ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

क्षतिग्रस्त पिलरों से छात्राओं की सुरक्षा पर मंडराया खतरा

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

शासकीय सुभद्रा शर्मा कन्या महाविद्यालय के भवन निर्माण कार्य में कथित भ्रष्टाचार के विरोध में एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने पूर्व विधायक निशंक जैन के निर्देश पर एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर जांच और कार्रवाई की मांग की।

एनएसयूआई अध्यक्ष एवं छात्र नेता यश बालोठिया के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि लगभग साढ़े तीन करोड़ रुपए की लागत से बीडीए द्वारा निर्मित महाविद्यालय भवन की गुणवत्ता अत्यंत खराब है। भवन के निर्माण के कुछ समय बाद ही दीवारों में दरारें आने लगी हैं, जबकि कई स्थानों पर पिलर भी क्षतिग्रस्त दिखाई दे रहे हैं। इससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। यश बालोठिया ने कहा कि जिस भवन में प्रतिदिन बड़ी संख्या में छात्राएं अध्ययन करने आती हैं, उसकी मौजूदा स्थिति चिंता का विषय है।

भवन की जर्जर हालत के कारण किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए तथा छात्राओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक सुधार कार्य तत्काल कराए जाएं। ज्ञापन सौंपने के दौरान सौरभ दुबे, यश मिश्रा, सुदेश जाटव, ऋषि जैन, अभिषेक, अभय, तनय, नितिन एवं अनुज सहित अन्य छात्र नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

5684 हेक्टेयर आदिवासी भूमि गैर-आदिवासियों के नाम हुई !

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

आदिवासी बाहुल्य एवं अनुसूचित क्षेत्र घोषित अनूपपुर जिले में 5684 हेक्टेयर आदिवासी भूमि के गैर-आदिवासियों के नाम रूपांतरण का मामला चर्चा का विषय बन गया है। इतनी बड़ी संख्या भूमि हस्तांतरण को लेकर कानूनी प्रक्रिया और प्रशासनिक अनुमति पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता, 1959 की धारा 165(6) के अनुसार अनुसूचित जनजाति के भूमिधर की भूमि गैर-आदिवासी को हस्तांतरित करने के लिए सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति आवश्यक है। वहीं, अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभा की सहमति और उसकी भूमिका भी महत्वपूर्ण मानी जाती है। ऐसे मामलों में कलेक्टर या संबंधित राजस्व अधिकारियों की अनुमति के बाद ही नामांतरण और रूपांतरण की प्रक्रिया पूरी की जाती है।

जानकारों का कहना है कि यदि सभी कानूनी प्रावधानों का पालन किया गया है तो इसकी पारदर्शी जानकारी सार्वजनिक होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि अनूपपुर में आदिवासी भूमि के अधिग्रहण और हस्तांतरण को लेकर पहले भी विवाद सामने आ चुके हैं तथा यह मुद्दा विधानसभा में भी उठ चुका है। ऐसे में 5684 हेक्टेयर भूमि के रूपांतरण ने एक बार फिर प्रशासनिक प्रक्रिया और नियमों के पालन को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

सुजल अभियान की शुरुआत, घर-घर पहुंचेगा पानी

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम। जिले में वर्षा ऋतु के दौरान नागरिकों को शुद्ध और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने गुरुवार को 'सुजल अभियान' का शुभारंभ किया। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में जनपद पंचायत नर्मदापुरम अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, पीएचई विभाग के कार्यपालन यंत्री मुजीब उल हसन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कहा कि जिले में सभी स्थानों पर शुद्ध पेयजल की उपलब्धता जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि वर्षा ऋतु की पहली बारिश के दौरान गंदा पानी हैंडपंपों और अन्य पेयजल स्रोतों में पहुंचने की आशंका रहती है। इसे देखते हुए सुजल अभियान के अंतर्गत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग और राजस्व विभाग संयुक्त रूप से कार्य करेंगे। पीएचई विभाग के तकनीशियन ग्रामीण क्षेत्रों में हैंडपंपों और अन्य जल स्रोतों का निरीक्षण कर आवश्यक मरम्मत करेंगे तथा जरूरत के अनुसार क्लोरिनेशन करेंगे। प्रत्येक क्लोरिनेटेड हैंडपंप पर तिथि भी अंकित की जाएगी।

चार विभाग मिलकर करेंगे कार्य : सुजल अभियान के अंतर्गत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग और राजस्व विभाग संयुक्त रूप से कार्य करेंगे। पीएचई विभाग के तकनीशियन ग्रामीण क्षेत्रों में हैंडपंपों और अन्य जल स्रोतों का निरीक्षण कर आवश्यक मरम्मत करेंगे तथा जरूरत के अनुसार क्लोरिनेशन करेंगे। प्रत्येक क्लोरिनेटेड हैंडपंप पर तिथि भी अंकित की जाएगी।

मेट्रो एंकर

फिल्म के अधिकांश कलाकार नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से जुड़े मध्य प्रदेश मूल के

आज से देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी 'द नर्मदा स्टोरी'

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

कला, संस्कृति, अभिनय और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए पहचान रखने वाला नर्मदापुरम अब देशभर के सिनेमाघरों के बड़े पर्दे पर दिखाई देगा। जिले में फिल्माई गई फिल्म 'द नर्मदा स्टोरी' शुक्रवार को देशभर में रिलीज हो रही है। फिल्म में नर्मदापुरम और तवानगर सहित आसपास के क्षेत्रों की खूबसूरती को दर्शाया गया है, वहीं स्थानीय और प्रदेश के कलाकारों को भी अभिनय का अवसर मिला है।

गुरुवार को आयोजित प्रेस वार्ता में फिल्म के अभिनेता शरद सिंह और सहयोगी परेश मसीह ने फिल्म से जुड़ी जानकारी साझा की। अभिनेता शरद सिंह ने बताया कि फिल्म की अधिकांश शूटिंग नर्मदापुरम, तवानगर और आसपास के क्षेत्रों में हुई है। फिल्म के माध्यम से नर्मदा नदी के परिवेश, स्थानीय संस्कृति और युवाओं की अभिनय प्रतिभा को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने बताया कि फिल्म में कार्य करने वाले अधिकांश कलाकार नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से जुड़े मध्य प्रदेश के कलाकार हैं। फिल्म में शरद सिंह ने पुलिस इंस्पेक्टर पुरुषोत्तम भदौरिया की भूमिका निभाई है।

फिल्म की एक विशेष बात यह भी है कि इसमें सिमाला प्रसाद सब इंस्पेक्टर नर्मदा रायकवार के किरदार में नजर आएंगी। इसके अलावा फिल्म में मुकेश तिवारी, रघुवीर यादव, जरीना वहाब और अश्विनी कालसेकर जैसे प्रसिद्ध कलाकारों ने भी अभिनय किया है। नर्मदापुरम के कई स्थानीय युवाओं को भी फिल्म में अवसर मिला है।

फिल्म की एक और खासियत यह है कि इसमें शहर की वास्तविक पहचान को बरकरार रखा गया है। अक्सर फिल्मों में शूटिंग किसी शहर में होने के बावजूद उसका नाम बदलकर दिखाया जाता है, लेकिन द नर्मदा स्टोरी में नर्मदापुरम का नाम यथावत रखा गया है। इससे जिले की पहचान और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। फिल्म प्रेमियों के लिए यह गौरव का विषय है कि नर्मदापुरम की धरती, संस्कृति और कलाकार अब राष्ट्रीय स्तर पर बड़े पर्दे के माध्यम से दर्शकों तक पहुंचेंगे।

न्यूज विंडो

भैंसों को पानी पिलाने गए भाई-बहन तलैया में डूबे, बहन की मौत, भाई बचा

तेंदूखेड़ा। सैलवाड़ा गांव में गुरुवार को भैंसों को पानी पिलाने गए भाई-बहन तलैया में डूब गए। 11 वर्षीय गत्तू यादव और 6 वर्षीय श्रेयांश पानी में नहाने गए थे। स्थानीय लोग उन्हें डूबते देख तुरंत तलैया में कूदे और दोनों को बाहर निकाला। गत्तू को तेंदूखेड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया, जबकि श्रेयांश सुरक्षित रहा। गत्तू कक्षा सातवीं और श्रेयांश दूसरी कक्षा में पढ़ता था। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कर मर्ग दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जानकारी के अनुसार बच्चों का खेलते समय तलैया में डूबना हादसे का कारण माना जा रहा है।

ग्रामीण अंचल की सैकड़ों प्रतिभाओं को ग्राम दर्शन राम दर्शन में मिला सम्मान

धार। जिले के ग्राम सिरसोदा में आयोजित 'ग्राम दर्शन राम दर्शन' कार्यक्रम में ग्रामीण अंचल की सैकड़ों प्रतिभाओं, समाजसेवकों और संस्थाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत आदर्श औषधि उपवन में पौधारोपण से हुई, जिसमें अमित शाह (संभाग समन्वयक), दिलीप पाटौंदीया, महेश ठाकुर और अन्य गणमान्य अतिथि शामिल थे। समाज में सकारात्मक बदलाव लाने वाले कार्यकर्ताओं को स्मृति चिह्न एवं सम्मान पत्र प्रदान किए गए। दहेज मुक्त समाज, नशा मुक्ति, जैविक कृषि, महिला सशक्तिकरण और राज्य स्तरीय खिलाड़ी जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वालों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 80 व्यक्तिगत और 60 से अधिक संस्थागत सम्मान प्रदान किए गए। आयोजकों ने तुलसी वितरण और औषधि नर्सरी की रूपरेखा साझा की। अंत में आरती और राम प्रसादी वितरण के साथ कार्यक्रम समापन हुआ। मुख्य अतिथियों ने ग्रामीण अंचलों में इस तरह के आयोजन को आदर्श बताया।

महिला को बाइक सवार ने मारी टक्कर, दोनों गंभीर रूप से घायल

तेंदूखेड़ा। दमोह-जबलपुर स्टेट हाईवे पर गुरुवार रात हुए सड़क हादसे में एक महिला और बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना तारादेही तिराहे से करीब 100 मीटर दूर रात लगभग 8.30 बजे की है। जानकारी के अनुसार वार्ड क्रमांक 6 तेंदूखेड़ा निवासी कल्लो बी (पत्नी हमीद शाह) सड़क किनारे पैदल जा रही थीं। इसी दौरान तेंदूखेड़ा से अपने गांव धनगौर लौट रहे बाइक चालक चंदन विश्वकर्मा (22), पिता रूपलाल विश्वकर्मा, ने पीछे से उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि महिला और बाइक चालक दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल मदद करते हुए दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज जबलपुर रेफर कर दिया। बताया गया है कि दोनों के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। घटना के बाद क्षेत्र में सड़क सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

नटराजन को लेकर कलेक्टर में कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

नरसिंहपुर। मप्र कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर राज्यसभा चुनाव में मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किए जाने के विरोध में कलेक्टर कार्यालय नरसिंहपुर के सामने धरना देकर उपवास कर विरोध प्रदर्शन कांग्रेस के कार्यकर्ता पदाधिकारियों ने किया। इस मौके पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटेल ने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए एवं अन्याय के विरोध में हम विरोध प्रकट कर रहे हैं। क्योंकि भाजपा, प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार के दबाव में आकर रिटर्निंग अधिकारी ने मीनाक्षी नटराजन का फॉर्म निरस्त किया है। इस कार्रवाई से खुलेआम लोकतंत्र की हत्या की गई है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटेल ने कहा कि देश के सभी कानून के जानकार , विशेषज्ञ इस कार्रवाई को गलत बता रहे हैं। परंतु अफसोस है कि निर्वाचन आयोग लगातार चुनाव में लूट मचाए हुए है। पूर्व विधायक सुनील जायसवाल, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष मैथिलीशरण तिवारी,जिला कांग्रेस संगठन मंत्री दीवान शैलेंद्र सिंह ने कहा कि इस अनुचित करवाई का हम गांधीवादी तरीके से विरोध करेंगे और पार्टी नेतृत्व सुप्रीम कोर्ट तक जाएगा। इस अवसर पर शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मनीष साहू, ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष धनीराम पटेल,नगर कांग्रेस अध्यक्ष रोहित पटेल, जिला पंचायत सदस्य मोना कौरव, जनपद उपाध्यक्ष कंछेदी पटेल, नपा नेता प्रतिपक्ष रूद्रेश तिवारी , प्रदेश सचिव नगरीय निकाय प्रकोष्ठ अस्सू नेमा, जिला सेवादल अध्यक्ष अतुल चौरसिया,जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष विवेक पटेल आदि मौजूद थे।

रहवासी बोले - पानी में मिट्टी और दुर्गंध, फिटकरी भी नहीं कर सकती साफ

शहर के कई वार्डों में आ रहा दूषति पानी क्या महामारी के फैलने के इंतजार में नपा

धार। दोपहर मेट्रो

शहर में इन दिनों पेयजल व्यवस्था पूरी तरह ठप हो चुकी है, पिछले 15 दिनों से शहर के कई मोहल्लों में दूषित, बदबूदार और मटमैला पानी सप्लाई किया जा रहा है। दूषित पानी के सेवन लोगों के बीमार होने का खतरा बड़ गया है, लेकिन जिम्मेदार नगर पालिका और पार्षद इस और कोई ध्यान नही दे रहे है। रहवासियों का आरोप है कि जल कर और अन्य शुल्क तो नियमित रूप से वसूले जा रहे हैं, लेकिन बदले में उन्हें पीने के नाम पर दुषित पानी दियाजा रहा है।

कपड़े धोना भी हुआ दूभर

कभी भी इंदौर के भागीरथपुरा जैसा हो सकता है हादसा

वार्ड क्रमांक 23 में सुबह नलों से इतना गंदा पानी निकला जिसे देखकर रहवासियों ने चक्काजाम करने की भी कोशिश की, पठ्ठा चौपाटी निवासी श्रवण ने बताया कि पिछले 15 दिनों से यही स्थिति बनी हुई है। आज तो इतना दूषित पानी आया कि इससे कपड़े धोना भी मुशकिल है। हमारी कोई सुनने वाला नहीं है, हम कई किलोमीटर दूर से पीने का पानी लाने को मजबूर हैं, अगर यह पानी किसी ने पी लिया तो कई लोग इंदौर है भागीरथपुरा जैसे हादसे का शिकार हो जाएगे। वार्ड की महिलाओं ने नगर पालिका के खिलाफ नाराजगी जताते हुए कहा कि पानी में मिट्टी और बदबू इतनी ज्यादा है कि फिटकरी भी इसे साफ करने में नाकाम साबित हो रही है।

पार्षद से लेकर पालिका तक सिर्फ आश्वासन ही

रहवासियों ने बताया कि अपनी इस गंभीर समस्या को लेकर स्थानीय पार्षद चिंटू राठौड़ और नगर पालिका के अधिकारियों को कई बार लिखित और मौखिक शिकायतें दी हैं, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन दिया जाता है, जमीनी स्तर पर समाधान के नाम पर कुछ नहीं हुआ। जब नगर पालिका हर महीने जल कर और अन्य शुल्क एडवांस में वसूलती है, तो नागरिकों को शुद्ध पानी देना उसकी जिम्मेदारी क्यों नहीं, क्या किसी बड़ी महामारी के फैलने का इंतजार कर रहा है।

डकैती की साजिश पर बीना पुलिस ने वारदात से पहले आरोपियों को पकड़ा

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

प्रो-एक्टिव पुलिसिंग के तहत बीना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए डकैती और चोरी की योजना बना रहे पांच शातिर आरोपियों को गिरफ्तार कर संभावित बड़ी वारदात को समय रहते विफल कर दिया। गिरफ्तार आरोपियों में चार गुना जिले और एक शिवपुरी जिले का निवासी है।

पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया के निर्देश पर अपराधों की पूर्व रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान बीना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि मालखेड़ी रोड स्थित अनिल इंडस्ट्रीज की खाली बैरक के बाहर कुछ बदमाश बीना के सानिया ज्वेलर्स और शाह पेट्रोल पंप में चोरी व डकैती की योजना बना रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर पांचों आरोपियों को मौके से दबोच लिया।

तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से एक चाकू, तीन गुलेल, मिर्च पाउडर, दो हाइड्रोलिक कटर, चार पेचकस, दो तोता पाना सहित वारदात में इस्तेमाल होने वाले अन्य उपकरण बरामद किए गए। पूछताछ में आरोपियों ने डकैती की साजिश स्वीकार कर ली। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 310(4) एवं 310(5) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक अनूप यादव सहित बीना थाना पुलिस की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जिला बदर आरोपियों में नहीं कानून का डर, बार-बार तोड़ रहे आदेश

सागर। दोपहर मेट्रो

जिले में जिला बदर किए गए आरोपियों में पुलिस और कानून का खौफ कम होता नजर आ रहा है। पिछले एक पखवाड़े में ऐसे तीन मामले सामने आए हैं, जिनमें जिला बदर आरोपी प्रतिबंध अवधि के दौरान ही जिले में प्रवेश करते पकड़े गए।

ताजा मामलों में बहरोल थाना पुलिस ने जिला बदर आरोपी पप्पू उर्फ देशराज यादव को उसके गांव नीमोन से गिरफ्तार किया। आरोपी को तीन माह पूर्व जिला मजिस्ट्रेट के आदेश पर जिले की सीमाओं से बाहर किया गया था, लेकिन वह बिना अनुमति गांव में मिला। वहीं, विनायका पुलिस ने जिला बदर आरोपी सुखनंदन लोधी को ग्राम डिलौना के यात्री प्रतीक्षालय से गिरफ्तार किया। उसे छह माह के लिए सागर जिले से बाहर किया गया था। दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 223 भारतीय न्याय संहिता एवं मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम की धारा 14 के तहत प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। इससे पहले मोतीनगर पुलिस भी एक जिला बदर आरोपी को अवैध शराब बेचते गिरफ्तार कर चुकी है।

अपैक्स बैंक प्रशासक ने जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

सदस्यता वृद्धि और किसानों को समय पर ऋण व खाद उपलब्ध कराने पर दें विशेष ध्यान: यादव

सागर। दोपहर मेट्रो

अपैक्स बैंक के प्रशासक महेंद्र सिंह यादव ने सागर संभाग के जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों की विभागीय समीक्षा बैठक जिला सहकारी बैंक सागर के सभागार में आयोजित की।

बैठक में उन्होंने प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाओं में सदस्यता वृद्धि अभियान तथा खरीफ 2026 के लिए किसानों को ऋण वितरण की प्रगति की समीक्षा करते हुए दिशा-निर्देश दिए। यादव ने कहा कि मप्र सरकार ने वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। सरकार किसानों एवं सर्वहारा वर्ग के हितों के संरक्षण और उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए सतत प्रयासरत है। किसानों को कृषि एवं सहकारिता क्षेत्र की योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाने के उद्देश्य से अपैक्स बैंक द्वारा 14 अप्रैल 2026 से 30 जून 2026 तक 10 लाख किसानों

को सहकारिता से जोड़ने के लिए सदस्यता महाअभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों से 500 रुपए अंश पूंजी एवं 100 रुपए सदस्यता शुल्क प्राप्त कर उन्हें सहकारी संस्थाओं का सदस्य बनाया जाए, जिससे वे शून्य प्रतिशत ब्याज सहित विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। उन्होंने समिति प्रबंधकों को सदस्यता अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने तथा जिला बैंकों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को इसकी सतत मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। बैठक में यादव ने ऋण वसूली पर भी विशेष जोर देते हुए कहा कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी ऋण वसूली के लिए निरंतर प्रयास करें, जिससे सहकारी बैंक वित्तीय रूप से मजबूत बनें और सहकारी आंदोलन निरंतर प्रगति करता रहे।

झलौन मार्ग पर हादसा : स्कॉर्पियो की टक्कर से मां-बेटे की मौत, बच्ची की हालत गंभीर

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तेजगढ़ थाना क्षेत्र के झलौन-तेजगढ़ मार्ग पर गुरुवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो की टक्कर से बाइक सवार मां-बेटे की मौत हो गई, जबकि 10 वर्षीय बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद आरोपी वाहन चालक मौके से फरार हो गया और पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

जानकारी के अनुसार पुरा गांव निवासी संतोष सेन (30), संतोषरानी बाई (60) और 10 वर्षीय मानूवी दवा एवं घरेलू सामान खरीदने झलौन आए थे। रात करीब 9 बजे घर लौटते समय पीछे से आ रही स्कॉर्पियो (एमपी-20-9993) ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में तीनों गंभीर रूप

से घायल हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में संतोषरानी और संतोष ने दम तोड़ दिया। मानूवी का इलाज मेडिकल कॉलेज में जारी है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे के बाद घायलों की मदद के लिए तेंदूखेड़ा जनपद पंचायत अध्यक्ष तुलाराम यादव आगे आए। उन्होंने अपनी गाड़ी रोककर घायलों को अस्पताल पहुंचाया और पुलिस को सूचना दी, जिससे मानवता की मिसाल पेश हुई। तेजगढ़ थाना प्रभारी अरविंद सिंह ठाकुर ने बताया कि पुलिस अज्ञात वाहन चालक की तलाश कर रही है तथा पूरे मामले की जांच जारी है। पोस्टमार्टम के बाद दोनों शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं।

मासूम की मांग पर सांसद बोले- तेंदूखेड़ा में खुलेगा केंद्रीय विद्यालय

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तेंदूखेड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे विशेष जनसंपर्क अभियान के तहत दमोह सांसद राहुल सिंह लोधी ने गुरुवार को नगर के व्यवसायी एवं तारण तरण दिगंबर जैन समाज अध्यक्ष संजय जैन के निवास पर आयोजित कार्यक्रम में लोगों से संवाद किया।

इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार की उपलब्धियों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज भारत का सम्मान विश्व स्तर पर बढ़ा है। कार्यक्रम का सबसे भावुक पल तब आया, जब छह वर्षीय रुद्रांश तिवारी ने सांसद राहुल सिंह लोधी का श्रीफल और माला पहनाकर स्वागत किया तथा नगर में केंद्रीय विद्यालय खोलने की मांग रखी। मासूम ने कहा कि तेंदूखेड़ा के सभी बच्चे चाहते हैं कि यहां जल्द केंद्रीय विद्यालय शुरू हो। इस पर सांसद ने बच्चे को आश्वस्त करते हुए कहा कि केंद्रीय विद्यालय खोलने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और जल्द ही यह सपना साकार होगा।

कार्यक्रम में पूर्व ऊर्जा राज्यमंत्री दशरथ सिंह लोधी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष पं. मनीष तिवारी, नगर परिषद अध्यक्ष सुरेशचंद जैन सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, व्यापारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

टीकमगढ़ : पत्रकार राजेंद्र अध्वर्यु का 82 वर्ष की आयु में निधन

टीकमगढ़। जिल के वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र अध्वर्यु का शुक्रवार सुबह लगभग 4:30 बजे 82 वर्ष की आयु में निधन हो गया । आज शाम 5 बजे मुक्तिधाम में उन्हें अंतिम विदाई दी जाएगी। उनके निधन से न केवल टीकमगढ़, बल्कि पूरे बुंदेलखंड के पत्रकारिता जगत ने अपना एक मार्गदर्शक, संरक्षक और इतिहास पुरुष खो दिया है। राजेंद्र अध्वर्यु उन विरले व्यक्तित्वों में थे, जिन्होंने पत्रकारिता के बदलते दौर को बहुत करीब से देखा और जिया। कागज और कलम से शुरू हुआ उनका सफर कंप्यूटर और डिजिटल पत्रकारिता तक पहुंचा, लेकिन उनकी मूल पहचान हमेशा जनसरोकारों से जुड़ी आंचलिक पत्रकारिता ही रही।

मेट्रो एंकर बच्चों का विकास केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं बल्कि रचनात्मक गतिविधियों में भी भागीदारी जरूरी: जैन

प्रतिभा को मिला मंच, 125 बच्चों ने बनाईं 700 से अधिक कलाकृतियां

सागर। दोपहर मेट्रो

ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान बच्चों की रचनात्मकता को दिशा देने के उद्देश्य से 26 मई से 10 जून तक आयोजित 15 दिवसीय निःशुल्क चित्रकला कार्यशाला 'रंगों की पाठशाला' का समापन समारोह विधायक शैलेंद्र कुमार जैन की उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यशाला के समापन अवसर पर विद्यालय का हॉल बच्चों द्वारा बनाई गई लगभग 700 चित्रकृतियों से सजा नजर आया। मंच के सामने से लेकर दीवारों तक हर ओर बच्चों की कल्पनाशीलता और सृजनात्मकता की झलक दिखाई दे रही थी।

रंग के साथी ग्रुप द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में 125

बच्चों ने सहभागिता कर चित्रकला की विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण प्राप्त किया। समापन समारोह में बच्चों ने मंच पर आकर अपने अनुभव साझा किए.प्रतिभागी तन्वी ठाकुर ने कहा कि यह कार्यशाला उनके लिए अत्यंत उपयोगी रही। उन्होंने बताया कि चित्रकार असरार और अंशिता ने चित्रकला के मूलभूत सिद्धांत बहुत सरल और सहज तरीके से समझाए।

विधायक शैलेंद्र जैन ने कहा कि कार्यशाला में बच्चों और उनके अभिभावकों की बड़ी संख्या में सहभागिता यह दर्शाती है कि समाज बच्चों के समग्र विकास के प्रति सजग है। उन्होंने कहा कि बच्चों का विकास केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उन्हें खेल, कला, साहित्य और अन्य रचनात्मक गतिविधियों में भी भागीदारी करनी चाहिए। उन्होंने आश्वस्त किया कि आने वाले वर्षों में इस कार्यशाला को और अधिक व्यापक एवं प्रभावी स्वरूप देने का प्रयास किया जाएगा। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पांच बच्चों को पेंटिंग किट प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अंजना चतुर्वेदी ने किया।

श्रवण एवं वाक् बाधित विद्यार्थियों के लिए कल लगेगा शिविर

नरसिंहपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 13 जून 2026 को श्रवण एवं वाक् बाधित विद्यार्थियों के लिए जिला न्यायालय परिसर में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा ने जिले के सभी शासकीय हाई स्कूल एवं हायर सेकंडरी विद्यालयों के प्राचार्यों को निर्देश जारी किए हैं। निर्देशानुसार विद्यालयों में अध्ययनरत श्रवण एवं वाक् बाधित विद्यार्थियों की सुबह 10 बजे शिविर में अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। शिविर में विद्यार्थियों को उनके विधिक अधिकारों, शासन की कल्याणकारी योजनाओं और निःशुल्क विधिक सहायता सेवाओं की जानकारी दी जाएगी।

वर्ल्ड कप 2026 का धमाकेदार आगाज

मेजबान मेक्सिको ने दक्षिण अफ्रीका को 2-0 से हराकर दर्ज की यादगार जीत

मैक्सिको , एजेंसी

फीफा वर्ल्ड कप 2026 का शानदार और ऐतिहासिक आगाज़ हो गया। दुनिया के सबसे बड़े फुटबॉल टूर्नामेंट के उद्घाटन मुकाबले में मेजबान मेक्सिको ने दक्षिण अफ्रीका को 2-0 से शिकस्त देकर अपने अभियान की बेहतरीन शुरुआत की। प्रतिष्ठित एजटेका स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में जूलियन क्विनोनेस और अनुभवी स्ट्राइकर राउल जिमेनेज़ ने गोल दागकर टीम को महत्वपूर्ण जीत दिलाई। इस जीत के साथ मेक्सिको ने ग्रुप ए में तीन अहम अंक हासिल कर लिए हैं। स्टेडियम में 80,824 दर्शकों की मौजूदगी ने इस मुकाबले को और भी खास बना दिया। फुटबॉल प्रेमियों के उत्साह और जोश के बीच टूर्नामेंट का पहला मैच खेला गया, जिसने दर्शकों को रोमांच और उत्सव का शानदार अनुभव दिया।

क्विनोनेस ने दिलाई तेज शुरुआत- मुकाबले की शुरुआत से ही मेक्सिको ने आक्रामक खेल दिखाया और दक्षिण अफ्रीका की टीम पर लगातार दबाव बनाए रखा। मैच के नौवें मिनट में ही मेक्सिको को सफलता मिल गई। सऊदी लीग में शानदार प्रदर्शन कर चुके जूलियन क्विनोनेस ने विपक्षी रक्षा पंक्ति को चकमा देते हुए गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाया और टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। इस शुरुआती गोल के बाद मेक्सिको का आत्मविश्वास और बढ़ गया। टीम ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखते हुए लगातार हमले किए, जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम बराबरी के गोल की तलाश में संघर्ष करती रही। पहले हाफ के अंत तक मेक्सिको ने अपनी बढ़त बरकरार रखी।

जिमेनेज़ ने पक्की की जीत

दूसरे हाफ में भी मेक्सिको का दबदबा जारी रहा। 66वें मिनट में अनुभवी स्ट्राइकर राउल जिमेनेज़ ने शानदार हेडर के जरिए टीम का दूसरा गोल दाग दिया। इस गोल के साथ मेक्सिको की बढ़त 2-0 हो गई और दक्षिण अफ्रीका की वापसी की उम्मीदें लगभग समाप्त हो गईं। यह जिमेनेज़ के अंतरराष्ट्रीय करियर का 46वां गोल था। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने मेक्सिको के महान स्ट्राइकर जारेड बॉर्गेटी की बराबरी कर ली। अब वह देश के सर्वकालिक शीर्ष स्कोरर जेवियर ॠचिचारिटोॠ हर्नांडिज़ से केवल छह गोल पीछे हैं। कोलंबिया में जन्मे 29 वर्षीय फॉरवर्ड जूलियन क्विनोनेस के लिए यह मुकाबला बेहद खास रहा। उन्होंने इस मैच के जरिए मेक्सिको के लिए अपना पहला वर्ल्ड कप मुकाबला खेला और गोल करके इसे यादगार बना दिया। क्विनोनेस उन छह खिलाड़ियों में शामिल थे जिन्होंने इस मुकाबले में वर्ल्ड कप डेब्यू किया।

रेड कार्ड ने बढ़ाई दक्षिण अफ्रीका की मुश्किलें

मैच के दौरान अनुशासनहीनता के कई मामले भी देखने को मिले। दक्षिण अफ्रीका के स्फेलो सिथोल और थेम्बा ज्वाने को रेड कार्ड दिखाया गया, जिसके कारण टीम को मैच का अंत केवल नौ खिलाड़ियों के साथ करना पड़ा। खिलाड़ियों की कमी का असर टीम के प्रदर्शन पर साफ दिखाई दिया और वे मेक्सिको के दबाव का सामना नहीं कर सके। वहीं इंजरी टाइम के दौरान मेक्सिको के डिफेंडर सीजर मोंटेस को भी रेड कार्ड मिला, हालांकि तब तक मैच का परिणाम लगभग तय हो चुका था।

48 टीमों वाला सबसे बड़ा वर्ल्ड कप

फीफा वर्ल्ड कप 2026 कई मायनों में ऐतिहासिक माना जा रहा है। पहली बार टूर्नामेंट में 48 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जो फुटबॉल इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। इसके अलावा पहली बार तीन देशों—मेक्सिको, कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका—द्वारा संयुक्त रूप से इस वैश्विक प्रतियोगिता की मेजबानी की जा रही है। मेजबान मेक्सिको ने जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत कर यह संकेत दे दिया है कि वह घरेलू मैदान का पूरा फायदा उठाने के लिए तैयार है। अब फुटबॉल प्रशंसकों की नजरें टूर्नामेंट के आगामी मुकाबलों पर टिकी होंगी, जहां दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमें खिताब के लिए संघर्ष करती नजर आएंगी।

बीसीसीआई के संपर्क में हैं रोहित-कोहली

रो-को की मौजूदगी में गौतम नहीं बना पा रहे गंभीर योजनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम 2027 वनडे विश्व कप की तैयारियों में जुट गई है, लेकिन मुख्य कोच गौतम गंभीर अपनी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू नहीं कर पा रहे हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) सूत्रों के हवाले से एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कोच गंभीर जिस तरह टेस्ट और टी20 क्रिकेट में अपनी बात रखते हैं, उतनी हनक के साथ वनडे में नहीं। इसका कारण वनडे टीम में दो दिग्गज विराट कोहली और रोहित शर्मा का होना है। ये दोनों 2027 का विश्व कप खेलना चाहते हैं और भविष्य को लेकर बीसीसीआई के शीर्ष नेतृत्व के सीधे संपर्क में हैं। इस वजह से मुख्य कोच गंभीर, मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर और कप्तान शुभमन गिल टीम गठन को लेकर पशोपेश में हैं। बताते हैं कि जब ये दोनों खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में होते हैं, तब गंभीर अपनी योजनाओं को खिलाड़ियों के बीच ठीक से साझा नहीं कर पाते। कप्तान गिल भी संकोच में रहते हैं।

रोहित ने किया नेट पर अभ्यास

पूर्व कप्तान रोहित शर्मा भारत के सफेद गेंद के नेट सत्र में शामिल हुए तथा युवा और उभरते सितारों की मौजूदगी के बावजूद आकर्षण का केंद्र बने रहे। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज होनी है जिसमें रोहित भी खेलेंगे। यशस्वी जायसवाल के अलावा युवा खिलाड़ी गुरनूर बरार, प्रिंस यादव और हर्ष दुबे भी अभ्यास कर रहे थे। लेकिन जब रोहित ट्रेनिंग मैदान पर पहुंचे तो सबकी नजरें उन्हीं पर टिक गईं।

रोहित की फिटनेस को लेकर नहीं दिखी चिंता

रोहित का सत्र बल्लेबाजी नेट्स से दूर शुरू हुआ। उन्होंने स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच एड्रियन ले रूक्स के साथ कुछ मिनट बातचीत की और फिर आगे पीछे दौड़ने वाली हल्की दौड़ शुरू की। ड्रिल के दौरान ईशान किशन उनके साथ रहे और रोहित ने लगभग पांच सेट पूरे किए। फिटनेस को लेकर हालिया चिंताओं के बावजूद उन्हें कोई परेशानी नहीं दिखी। हालांकि असली उत्सुकता तब बढ़ी जब उन्होंने पैड पहने। अगले एक घंटे तक उनकी हर हरकत पर बारीकी से नजर रखी गई क्योंकि वह कभी तेज गेंदबाजों के नेट पर तो कभी स्पिनरों के नेट में अभ्यास कर रहे थे। वहां मौजूद कुछ लोग उनके हर शॉट और हर चूक पर नजर रख हुए थे। ब्रेक के बाद वापसी करने वाले बल्लेबाज के लिए शुरुआती संकेत उम्मीद के मुताबिक ही थे। वह थोड़े असहज दिखे और बाउंड्री लगाने के बजाय टाइमिंग पर ध्यान दे रहे थे।

द्रविड़ के छोटे बेटे अन्वय् का टीम इंडिया में सेलेक्शन, बीसीसीआई का बड़ा ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट में द्रविड़ परिवार का एक और नाम नेशनल लेवल पर पहुंच गया है। पूर्व भारतीय कप्तान और महान बल्लेबाज राहुल द्रविड़ के छोटे बेटे अन्वय द्रविड़ को अगले महीने होने वाले श्रीलंका दौरे के लिए टीम इंडिया की अंडर-19 वनडे टीम में शामिल किया गया है। 17 वर्षीय विकेटकीपर-बल्लेबाज को घरेलू आयु वर्ग क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन का इनाम मिला है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की जूनियर सेलेक्शन कमेटी, जिसकी अगुवाई शरत श्रीधरन कर रहे हैं। उन्होंने गुरुवार को श्रीलंका दौरे के लिए वनडे और मल्टी-डे दोनों टीमों का ऐलान किया। यह दौरा 4 जुलाई 2026 से श्रीलंका के हंबनटोटा में शुरू होगा, जिसमें तीन वनडे और दो मल्टी-डे मुकाबले खेले जाएंगे। अन्वय को 15 सदस्यीय वनडे टीम में जगह मिली है।

अंडर-19 वर्ल्ड कप 2028 की तैयारी

नेशनल सेलेक्टर इस दौरे को अगले अंडर-19 वर्ल्ड कप राउंड की शुरुआत के तौर पर देख रहे हैं। चूंकि अन्वय अभी केवल 17 साल के हैं, इसलिए वह दो साल बाद होने वाले अंडर-19 वर्ल्ड कप के लिए भी पात्र रहेंगे। ऐसे में श्रीलंका की परिस्थितियों में मिलने वाला यह अनुभव उनके विकास के लिए काफी अहम माना जा रहा है। भारतीय टीम जून के अंत में श्रीलंका रवाना होगी।

वह टीम के दो विकेटकीपरों में शामिल हैं, जबकि दूसरे विकेटकीपर रजत बघेल हैं। मध्य प्रदेश के यशवर्धन सिंह चौहान को टीम की कप्तानी सौंपी गई है, जबकि लक्ष्य रायचंदानी उपकप्तान होंगे। यह चयन अन्वय के करियर का अब तक का सबसे बड़ा मुकाम माना जा रहा है। दिलचस्प बात यह है कि उनके बड़े भाई समित द्रविड़ कर्नाटक की अंडर-19 टीम का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

43 साल बाद बड़ा खुलासा... 1983 कप्तानी की कुर्सी पर मचा था घमासान

अंत में निकला था कपिल देव का नाम

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे सुनहरे अध्याय- 1983 विश्व कप को लेकर पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज सैयद किरमानी का एक पुराना लेकिन बेहद अहम खुलासा एक बार फिर सुर्खियों में है। किरमानी ने बताया है कि इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट से ठीक पहले टीम इंडिया की कप्तानी को लेकर चयन समिति के भीतर गहन और निर्णायक मंथन चला था, जिसमें उनका नाम और दिलीप वेंगसरकर भी गंभीर दावेदारों के रूप में शामिल थे।

... लेकिन अंतिम निर्णय उस खिलाड़ी के पक्ष में गया, जिसने आगे चलकर न सिर्फ उस विश्व कप की तस्वीर बदली, बल्कि भारतीय क्रिकेट के पूरे इतिहास को नई दिशा दे दी... और वह नाम था- कपिल देव। किरमानी के इस बयान ने 1983 विश्व कप से जुड़े उस कम चर्चित पहलू को फिर से चर्चा में ला दिया है, जो अब तक क्रिकेट इतिहास की परतों में दबा हुआ था। उस समय भारतीय चयन समिति की अध्यक्षता गुलाम अहमद कर रहे थे। उनके साथ अनुभवी चयनकर्ताओं की एक मजबूत टीम थी, जिसमें बिशन सिंह बेदी, पंकज रॉय, चंदू बोर्डे और चंदू सरवते जैसे दिग्गज शामिल थे। किरमानी के अनुसार, वेस्टइंडीज दौरे के दौरान ही कप्तानी को लेकर अंदरखाने चर्चा तेज हो गई थी। यह बहस दो नामों के बीच सिमटी थी- किरमानी और वेंगसरकर।

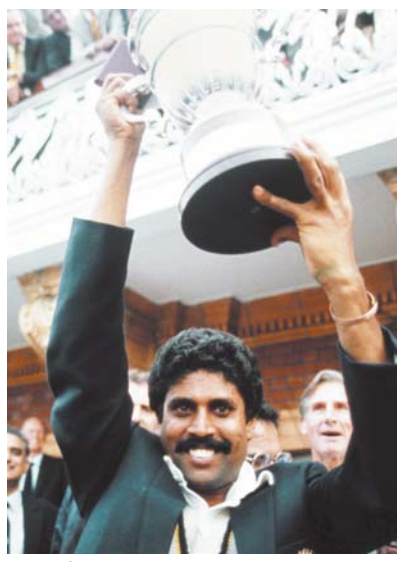

कपिल देव की ओर झुकी तौल

अंततः चयन समिति ने जिस खिलाड़ी पर भरोसा जताया, वह थे कपिल देव यह निर्णय उस समय भले ही साधारण चयन की तरह लगा हो, लेकिन इतिहास ने इसे भारतीय क्रिकेट का सबसे निर्णायक फैसला साबित कर दिया। कपिल देव की कप्तानी में भारत ने न सिर्फ विश्व कप में भाग लिया, बल्कि पूरे टूर्नामेंट की तस्वीर ही बदल दी। कमजोर मानी जाने वाली भारतीय टीम ने पहले दौर में इंग्लैंड और वेस्टइंडीज जैसी मजबूत टीमों को हराकर सबको चौंका दिया।

दोनों खिलाड़ियों के पास अपनी-अपनी मजबूत दावेदारी थी। एक ओर जहां किरमानी टीम के भरोसेमंद विकेटकीपर थे, वहीं वेंगसरकर शीर्ष क्रम के अनुभवी बल्लेबाज के रूप में स्थापित हो चुके थे। लेकिन इसी चर्चा के बीच एक महत्वपूर्ण तर्क सामने आया- क्या एक विकेटकीपर को कप्तानी का अतिरिक्त दबाव देना सही होगा? इसी सोच ने चयनकर्ताओं की दिशा बदल दी और अंतिम निर्णय की भूमिका तैयार की।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

फूल और कांटे में छेड़छाड़ को प्यार समझा गया था, आज ऐसा करने वाला जेल पहुंच जाएगा

90 के दशक की फिल्मों पर मधु का बड़ा हमला,

फिल्मों में महिलाओं की प्रस्तुति को लेकर छिड़ी नई बहस के बीच 90 के दशक की चर्चित अभिनेत्री मधु ने उस दौर के सिनेमा पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जिन दृश्यों को कभी रोमांस और प्यार का प्रतीक माना जाता था, आज उन्हें छेड़छाड़ और उत्पीड़न की श्रेणी में रखा जाएगा। उनके मुताबिक समाज की सोच बदलने के साथ फिल्मों का नजरिया भी बदलना जरूरी है। एक इंटरव्यू में मधु ने अपनी सुपरहिट फिल्म फूल और कांटे का उदाहरण देते हुए कहा कि फिल्म में नायक और उसके दोस्त कॉलेज में लड़की का पीछा करते हैं, उसे परेशान करते हैं और सीटियां बजाते हैं। उस समय इन दृश्यों को रोमांटिक माना गया था, लेकिन आज ऐसी हरकतों को समाज स्वीकार नहीं करेगा।

मधु ने कहा कि फिल्म में उनका किरदार आखिरकार उसी युवक से प्रेम करने लगता है जो लगातार उसे परेशान करता है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अगर आज कोई युवक सार्वजनिक स्थान पर किसी लड़की के साथ ऐसा व्यवहार करे तो उसे छेड़छाड़ माना जाएगा और कानूनी कार्रवाई भी हो सकती है। अभिनेत्री ने कहा कि उस दौर में किसी ने यह सवाल नहीं उठाया कि फिल्म गलत संदेश दे रही है। इसके उलट दर्शकों ने फिल्म को हाथोंहाथ लिया और यह बड़ी हिट साबित हुई। लेकिन अब समय बदल चुका है और दर्शक पहले की तुलना में

रेप सीन पर भी बदली सोच

मधु ने 80 और 90 के दशक की फिल्मों का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय लगभग हर दूसरी फिल्म में रेप सीन देखने को मिल जाते थे। तब इन दृश्यों को लेकर ज्यादा बहस नहीं होती थी, लेकिन आज ऐसे विषयों को बेहद संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ पेश किया जाता है। मधु का मानना है कि सिनेमा हमेशा समाज का आईना होता है। जैसे-जैसे लोगों में महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों को लेकर जागरूकता बढ़ी है, वैसे-वैसे फिल्मों की कहानियों और किरदारों में भी बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि आज का दर्शक सिर्फ मनोरंजन नहीं चाहता, बल्कि यह भी देखता है कि पर्दे पर दिखाया जा रहा संदेश समाज के लिए कितना जिम्मेदार है।

कृति खरबंदा का छलका दर्द, बोलीं- खुद को बेहतर दिखाने की होड़ में फंसे युवा

अभिनेत्री कृति खरबंदा ने सोशल मीडिया के कारण युवाओं पर बढ़ रहे मानसिक और भावनात्मक दबाव को लेकर चिंता जाहिर की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक नोट शेयर करते हुए बताया कि हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान उनकी मुलाकात कुछ ऐसे युवाओं से हुई, जो इस डिजिटल दुनिया के दबाव में बुरी तरह फंसे हुए हैं। अभिनेत्री ने लिखा, आज मैं कुछ लोगों से मिली। वे सभी भावनात्मक, शारीरिक और मानसिक रूप से बुरी तरह थके हुए थे। काम बहुत मुश्किल और अनिश्चित भरा था। वे सभी सोशल मीडिया पर मौजूद रहने और उसे बनाए रखने के दबाव के बारे में शिकायत कर रहे थे। उन सभी लोगों के मन में बड़े-बड़े सपने हैं और उन्हें पूरा करने का जज्बा भी, लेकिन सोशल मीडिया इसमें रुकावट बनता रहता है। इस बीच, मैंने एक बात महसूस की कि उन सभी में एक बात समान थी कि वे इंटरनेट पर लगातार एक्टिव रहने और खुद को बेहतर दिखाने की होड़ में फंसे हुए थे।

अभिनेत्री ने आगे लिखा, युवा लगातार दूसरों से अपनी तुलना कर रहे हैं। वे न चाहते हुए भी बस कुछ न कुछ पोस्ट करने के दबाव में जी रहे हैं। इनमें से कई लोग अपनी निजी जिंदगी को सोशल मीडिया से दूर रखना चाहते थे, लेकिन उन्हें डर था कि ऐसा करने से वे दूसरों की नजरों से कम आकर्षक लगने लगेंगे। इस बात पर दुख जताते हुए कृति ने लिखा, यह देखकर मेरा दिल बैठ गया। काश लोग समझ पाते कि सोशल मीडिया जिंदगी का सिर्फ एक छोटा सा हिस्सा है, पूरी जिंदगी नहीं। अगर सोशल मीडिया न भी हो, तब भी एक खूबसूरत और सुकूनभरी जिंदगी जी जा सकती है।

मेट्रो बाजार

टीसीएस ने एंथ्रोपिक के साथ रणनीतिक साझेदारी किया ऐलान

50,000 एसोसिएट्स को क्लॉड एआई सीखने का मिलेगा मौका

नई दिल्ली। भारतीय आईटी फर्म टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने अमेरिकी एआई कंपनी एंथ्रोपिक के साथ रणनीतिक साझेदारी ऐलान किया। इससे 50,000 एसोसिएट्स को क्लाउड एआई को सीखने का मौका मिलेगा। यह कदम कंपनी द्वारा एआई अपनाने की रणनीति का हिस्सा है। टीसीएस के अनुसार, यह क्लॉड एआई मॉडल के शुरुआती एक्सेस के जरिए क्लॉड मॉडल फैमिली पर जॉइंट इंडस्ट्री सॉल्यूशन और गहरी एआई विशेषज्ञता देने के लिए एक केंद्रित बिजनेस यूनिट बनाएगी। कंपनी ने कहा कि इस साझेदारी के जरिए कंपनी की कोशिश सामान्य उद्योगों में एआई प्रोजेक्ट्स को पायलट से परे ले जाने की है। आईटी कंपनी ने कहा,टीसीएस की गवर्नेंस, कंट्रोल और क्रियान्वयन क्षमता से कंपनियां क्लॉड एआई को आत्मविश्वास के साथ लागू कर पाएंगी। कंपनी ने कहा कि बड़े पैमाने पर आंतरिक तैनाती, मिलकर मार्केट में प्रोडक्ट लाने, इंडस्ट्री में साथ मिलकर इनोवेशन करने और वर्कफोर्स को सक्षम बनाने जैसी चीजों को मिलाकर, यह पार्टनरशिप क्लाइंट्स को पूरे एंटरप्राइज में इसे अपनाने और मापने योग्य नतीजे पाने का एक व्यावहारिक रास्ता देती है। यह साझेदारी टीसीएस के प्रोडक्ट्स, प्लेटफॉर्म और खास डोमेन के लिए बने सॉल्यूशंस तक भी फैली हुई है। यूके में टीसीएस का एफसीए-रेगुलेटेड लाइफ और पेंशन बिजनेस डिलिजेंटा- जो 22 मिलियन से ज्यादा लाइफ और पेंशन कस्टमर्स को सेवा देता है - बड़े पैमाने पर एजेंटिक प्रोसेस ट्रांसफॉर्मेशन के जरिए ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए क्लॉड का इस्तेमाल करेगा।

दुनिया के शीर्ष 30 फाइनेंशियल सर्विसेज मार्केट्स में मुंबई, दिल्ली एनसीआर और बेंगलुरु शामिल

नई दिल्ली। भारत फाइनेंशियल सर्विसेज के लिए एक प्रमुख ग्लोबल टैलेंट हब के तौर पर अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। मुंबई, दिल्ली एनसीआर और बेंगलुरु दुनिया के टॉप 30 फाइनेंशियल सर्विसेज मार्केट में से एक हैं। यह जानकारी रिपोर्ट में दी गई थी। रियल एस्टेट कंसल्टेंसी %कोलियर्स इंडिया% की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय शहर श्रम की उपलब्धता, टैलेंट पाइपलाइन, वेंचर कैपिटल फंडिंग गतिविधियों और इंडस्ट्री आउटपुट के मामले में अच्छी स्थिति में हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, फाइनेंशियल सर्विस कंपनियां अपनी लोकेशन से जुड़ी रणनीतियों पर फिर से विचार कर रही हैं, क्योंकि वे टैलेंट तक पहुंच, लागत के मामले में प्रतिस्पर्धा और तेजी से हो रहे तकनीकी बदलावों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रही हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि फाइनेंशियल सर्विस टैलेंट के लिए मुंबई को बड़े इंटरनेशनल मार्केट के साथ-साथ प्रमुख %ग्लोबल सेंटर्स% में शामिल किया गया, जबकि दिल्ली एनसीआर एक अहम %रणनीतिक केंद्र% के तौर पर उभरा। वहीं, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद और पुणे की पहचान दुनिया के प्रमुख %डोमेस्टिक और ऑपरेशनल सेंटर्स% के तौर पर की गई। इसके अलावा, एशिया-पैसिफिक लेबर इंडेक्स रैंकिंग में बेंगलुरु, मुंबई और पुणे ने टॉप तीन स्थान हासिल किए। कोलियर्स इंडिया में ऑफिस सर्विसेज के मैनेजिंग डायरेक्टर अर्पित मल्होत्रा ने कहा, बेहतरीन टैलेंट, टेक्नोलॉजी की जानकारी और बड़े पैमाने पर काम करने की क्षमता के दम पर भारत तेजी से ग्लोबल फाइनेंशियल सर्विस हब के तौर पर अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है।

ट्रम्प की बदलती भाषा: पल में तोला, पल में माशा

वॉर एनालिसिस
● राजेश सिरोठिया

युद्ध केवल मोर्चे पर नहीं लड़े जाते। वे शब्दों, संकेतों और नेतृत्व की विश्वसनीयता से भी जीते और हारे जाते हैं। इतिहास गवाह है कि संकट की घड़ी में किसी राष्ट्राध्यक्ष का सबसे बड़ा हथियार उसकी सेना नहीं, बल्कि उसके शब्दों की विश्वसनीयता होती है। जब दुनिया यह भरोसा खोने लगे कि कोई नेता आज जो कह रहा है, वह कल भी उसी पर कायम रहेगा, तब उसकी ताकत पर भी सवाल उठने लगते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के इजराइल-ईरान संघर्ष को लेकर बदलते बयानों ने कुछ ऐसा ही माहौल पैदा किया है। कभी वे ईरान के खिलाफ कठोर सैन्य कार्रवाई की बात करते हैं, कभी युद्धविराम का समर्थन करते हैं, कभी समझौते के दरवाजे बंद बताते हैं और कुछ समय बाद फिर बातचीत की संभावना जताने लगते हैं। उनके समर्थक इसे रणनीतिक चाल बताते हैं, लेकिन यह नीति की अस्थिरता और नेतृत्व की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न है।

व्यापारिक दुनिया से राजनीति में आए ट्रम्प अक्सर मानते रहे हैं कि विरोधी को असमंजस में रखना एक प्रभावी रणनीति है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय राजनीति और युद्ध का मैदान कॉर्पोरेट सौदेबाजी से अलग होता है। यहां शब्दों का वजन अरबों डॉलर के बाजारों, लाखों लोगों की सुरक्षा और कई देशों की रणनीतिक गणनाओं को प्रभावित करता है। इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं जहां संकट के समय नेताओं ने अपने संदेश की स्पष्टता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान विंस्टन चर्चिल ने ब्रिटिश जनता से कहा था कि उनके पास देने के लिए 'खून, मेहनत, आंसू और पसीने' के अलावा कुछ नहीं है। यह संदेश कठोर था, लेकिन स्पष्ट था। ब्रिटेन जानता था कि उसका नेतृत्व किस दिशा में जा रहा है। इसी तरह फ्रेंक्लिन डी रोज्वेल्ट ने पर्ल हार्बर हमले के बाद अमेरिकी जनता और सहयोगी देशों के सामने एक सुसंगत नीति रखी। लोगों को यह अनुमान लगाने की जरूरत नहीं पड़ी कि अगले दिन व्हाइट हाउस का रुख बदल जाएगा। इसके विपरीत, इतिहास यह भी बताता है कि जब नेतृत्व के संकेत अस्पष्ट होते हैं तो उसके गंभीर परिणाम सामने आते हैं। नेविल चम्बेर्लेन की तुष्टीकरण नीति को अक्सर इसी संदर्भ में याद किया जाता है। विरोधाभासी संदेशों और गलत आकलनों ने अंततः यूरोप को और बड़े संकट की ओर धकेल दिया। यह उदाहरण याद दिलाता है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में स्पष्टता स्वयं एक शक्ति होती है। इजराइल-ईरान संघर्ष के दौरान ट्रम्प के बयान कई बार घंटों और दिनों के अंतराल में बदलते दिखाई दिए। कभी सैन्य दबाव बढ़ाने की बात, कभी कूटनीतिक समाधान की संभावना, कभी युद्ध की चेतावनी और फिर बातचीत का संकेत। इससे केवल विरोधी देश ही नहीं, बल्कि मित्र राष्ट्र भी असमंजस में पड़ जाते हैं।

इसका असर केवल राजनीति तक सीमित नहीं रहता। मध्य-पूर्व में तनाव बढ़ते ही तेल बाजार प्रतिक्रिया देते हैं। निवेशक सतर्क हो जाते हैं। ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों की चिंताएं बढ़ जाती हैं। अमेरिका से निकलने वाला हर बड़ा संदेश दुनिया भर के शेयर बाजारों और मुद्रा बाजारों तक असर डालता है। इसलिए जब नीति और बयान बार-बार बदलते हैं तो अनिश्चितता की कीमत पूरी दुनिया चुकाती है।

आज सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि ट्रम्प युद्ध चाहते हैं या शांति। प्रश्न यह है कि क्या दुनिया उनके शब्दों पर पहले जैसी निश्चितता से भरोसा कर पा रही है? फिर भी, अभी सब कुछ खोया नहीं है। यदि ट्रम्प इस निर्णायक मोड़ पर सैन्य टकराव को और आगे बढ़ाने के बजाय संयम और कूटनीति का रास्ता चुनते हैं, तो यह केवल अमेरिका या मध्य-पूर्व के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक सकारात्मक संदेश होगा। महाशक्तियाँ केवल अपने हथियारों से नहीं, अपने शब्दों की विश्वसनीयता से भी पहचानी जाती हैं। ट्रम्प की सबसे बड़ी चुनौती आज ईरान नहीं, बल्कि अपने ही शब्दों पर दुनिया का भरोसा बनाए रखना है।

न्यूज विंडो

कल से 18 जून तक फ्रांस के दौरे पर रहेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13-18 जून तक फ्रांस के दौरे में रहेंगे। वह 13-14 जून 2026 को नीस जाएंगे, फिर 16-17 जून को एवियन और 17-18 जून 2026 को पेरिस जाएंगे। 2014 के बाद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह 7वां ऑफिशियल फ्रांस दौरा होगा। फ्रांस के राष्ट्रपति ने 17-19 फरवरी के बीच भारत दौरा किया था। इस दौरान दोनों देशों के रिश्तों को स्पेशल ग्लोबल स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप तक बढ़ाया गया था। अब पीएम मोदी फ्रांस जा रहे हैं। यह दौरा भारत और फ्रांस के बीच हाई-लेवल बातचीत की रफ्तार को दिखाता है। इसका मकसद इनोवेशन, साइंस और टेक्नोलॉजी, इकॉनमी, कल्चरल और लोगों के बीच संबंधों पर फोकस के साथ, दोनों देशों के बीच सहयोग के सभी क्षेत्रों में रिश्तों को गहरा करना है। नीस में पीएम मोदी फ्रांस के प्रेसिडेंट इमैनुएल मैक्रों के साथ भारत इनोवेट्स इवेंट का उद्घाटन करेंगे। यह इवेंट भारत, फ्रांस और दुनिया के टॉप इनोवेशन स्टार्टअप्स को एक साथ लाता है। इंडिया-फ्रांस ईयर ऑफ इनोवेशन के दौरान हो रहे इस इवेंट से दोनों देशों के बीच इनोवेशन पार्टनरशिप होगी।

'ब्रह्मा' मंदिर में किया था ब्लास्ट अब मिली मौत की सजा

बैंकॉक। थाईलैंड की एक अदालत ने वर्ष 2015 में बैंकॉक के प्रसिद्ध एरावन मंदिर में हुए बम धमाके के मामले में चीन के मुस्लिम उइगर समुदाय के 2 लोगों को दोषी ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई है। इस धमाके में 20 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 120 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। बता दें कि थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में स्थित एरावन मंदिर हिंदू देवता ब्रह्मा को समर्पित है और यहां हर बड़ी तादाद में चीन के पर्यटक भी आते हैं। दोषी ठहराए गए दोनों आरोपियों की पहचान युसुफु मियराइली और बिलाल मोहम्मद के रूप में हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, युसुफु और बिलाल को 17 अगस्त 2015 को हुए धमाके के कुछ समय बाद गिरफ्तार किया गया था। अदालत में दोनों पर हत्या, हत्या के प्रयास और विस्फोटक सामग्री के अवैध कब्जे समेत कई गंभीर आरोप लगाए गए थे। जांच एजेंसियों ने दावा किया कि वीडियो फुटेज, फिंगरप्रिंट और अन्य सबूतों के आधार पर दोनों का धमाके से सीधा संबंध साबित हुआ।

नासिक: गंगापुर बांध में डूबने से चार लोगों की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के नासिक जिले में स्थित गंगापुर डैम में डूबने से चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में तीन नाबालिग चचेरे भाई और एक युवती शामिल हैं। आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, मृतकों की पहचान सावरगांव निवासी गणेश गोटारने (16), साहिल गोटारने (16) और निखिल गोटारने (16) के रूप में हुई है। वहीं, मृतका की पहचान तालेगांव अंजनेरी निवासी मयूरी जाधव (21) के रूप में की गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, गोटारने परिवार ने पारंपरिक सामुदायिक दावत धोंड्या-चे जेवण के लिए रिश्तेदारों को आमंत्रित किया था। दोपहर के भोजन के बाद मयूरी जाधव ने गंगापुर डैम के स्पिलवे क्षेत्र में घूमने की इच्छा जताई। इसके बाद वह परिवार के पांच अन्य सदस्यों और रिश्तेदारों के साथ डैम की ओर निकल गई। डैम पहुंचने के बाद यह ग्रुप पानी में उतर कर मस्ती करने लगा। शुरुआत में पानी केवल कमर तक लग रहा था, लेकिन उन्हें पानी की गहराई में अचानक होने वाले बदलाव और सतह के नीचे छिपे गहरे गड्ढों का बिल्कुल अंदाजा नहीं था। पानी में खेलते समय एक किशोर अचानक गहरे हिस्से में चला गया और डूबने लगा।

भीषण सड़क हादसे में तीन थाना प्रभारियों समेत चार की मौत

पटना। बिहार के बेगूसराय में एनएच-31 पर हुए एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें तीन थाना प्रभारियों समेत चार लोगों की मौत हो गई। सभी मृतक पुलिस अधिकारी पटना से एक दिवसीय सरकारी प्रशिक्षण पूरा कर वापस अपने जिले लौट रहे थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। टक्कर इतनी भयावह थी कि तीन लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि एक अधिकारी की मौत अस्पताल में इलाज के दौरान हुई। मृतकों में मधेपुरा के बेलारी थाना प्रभारी नीरज कुमार, मधेपुरा के ही अरार थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र अमर, सरकारी वाहन के चालक नीरज कुमार और मधेपुरा के ही रतवारा थाना प्रभारी साजन पासवान शामिल थे। साजन की मौत अस्पताल में इलाज के दौरान हो गई।

विदेश मंत्री जयशंकर की दो टूक

रूस से तेल खरीदने के लिए अमेरिका ने किया था अनुरोध

हेलसिंकी, एजेंसी

पश्चिमी देशों के दोहरे रवैये पर कड़ा प्रहार करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 2022 में यूक्रेन पर मास्को के आक्रमण के बाद रूसी तेल खरीदने के भारत के फैसले का बचाव किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कदम वैश्विक तेल की कीमतों को कम रखने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के अनुरोध पर उठाया गया था। फिनलैंड की अपनी यात्रा के दौरान एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जयशंकर ने रूसी तेल पर अमेरिका के बदलते प्रतिबंधों की भी कड़ी आलोचना की। 2022 में यूक्रेन पर हमले के बाद अमेरिका द्वारा रूस पर प्रतिबंध लगाने और उसके तेल की कीमत तय करने के बाद भारत रूसी तेल का एक प्रमुख खरीदार बनकर उभरा था। एक पत्रकार द्वारा भारत पर रूस के प्रति बहुत अधिक सहानुभूति रखने और रूस से तेल खरीदने के लिए बहुत अधिक इच्छुक होने का आरोप लगाए जाने के बाद उन्होंने कहा, 'मैं लागत और उपलब्धता के आधार पर तेल खरीदता हूं।'

जयशंकर ने इस बात पर जोर दिया कि उस समय बाजार में उपलब्ध अधिकांश तेल रूस का था क्योंकि यूरोपीय देश अनिवार्य रूप से मध्य पूर्व का तेल खरीद रहे थे, जो कि हमारा पारंपरिक सप्लायर था। हालातों ने हमें एक खास दिशा में धकेल दिया। रूस को एक भरोसेमंद सप्लायर बताते हुए, विदेश मंत्री ने रूसी तेल पर प्रतिबंधों के संबंध में अमेरिका की विरोधाभासी नीति की भी आलोचना की और इस मुद्दे को अत्यधिक नैतिकता के चश्मे से न देखने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा, 'अभी अगर आप देखें, तो रूसी तेल खरीदने के लिए हम पर पहले टैरिफ लगाने के बाद, अमेरिका ने फिर से अपने प्रतिबंध हटा लिए, आइए यह दिखावा न करें कि इसमें कोई महान सिद्धांत शामिल है। मुझे नहीं लगता कि इसे पाखंड का विषय बनाना उचित है। '

रूसी तेल पर अमेरिका की रेड लाइन

अमेरिका और भारत के बीच व्यापारिक संबंध पिछले साल तब तनावपूर्ण हो गए थे जब डोनल्ड ट्रंप प्रशासन ने भारत से आने वाले सामानों पर 50% टैरिफ लगा दिया था, जो एशिया के किसी भी देश के लिए सबसे अधिक था। इसमें भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद से जुड़ा 25% का जुर्माना भी शामिल था। वाशिंगटन और नई दिल्ली के बीच एक अंतरिम समझौते की रूपरेखा पर सहमत होने के बाद फरवरी में भारतीय सामानों पर अमेरिकी टैरिफ घटाकर 18% कर दिया गया था। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद इसे घटाकर 10% कर दिया गया। ईरान में युद्ध शुरू होने के बाद वाशिंगटन ने संघर्ष की मार झेल रहे ऊर्जा-संवेदनशील देशों की सहायता के लिए प्रतिबंधों में छूट दी, जिससे समुद्र के रास्ते आने वाले रूसी तेल की खरीद की अनुमति मिल गई।

भारत का अडिग रुख

मास्को के ऊर्जा व्यापार पर अमेरिका के बदलते रुख के बावजूद, भारत ने यह कायम रखा है कि वह अमेरिकी प्रतिबंधों में छूट की परवाह किए बिना रूसी तेल खरीदता रहा है और कमर्शियल वायबिलिटी और ऊर्जा सुरक्षा जरूरतों के आधार पर ऐसा करना जारी रखेगा। पेट्रोलियम मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने पिछले महीने कहा था कि रूस पर अमेरिकी छूट के संबंध में, मैं इस बात पर जोर देना चाहूंगी कि हम पहले से ही रूस से खरीदारी कर रहे थे। छूट मिलने से पहले भी, छूट के दौरान भी, और अब भी।

यूरोप की नैतिक अस्पष्टता पर निशाना

जयशंकर ने दुनिया भर में जो कुछ भी हो रहा है, उसे लेकर यूरोपीय देशों की नैतिक अस्पष्टता की भी कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा, 'किसी भी यूरोपीय देश पर भारतीय हथियारों से हमला नहीं किया गया है। काश मैं भारत के संदर्भ में यूरोप के हथियारों के लिए भी ऐसा कह पाता। जब उनसे इस मुद्दे पर विस्तार से बताने के लिए कहा गया, तो उन्होंने स्पष्ट किया कि यूरोप ऐसे हथियार बेचता है, जिनका उपयोग भारत पर हमला करने के लिए किया जाता है। सिर्फ अभी नहीं बल्कि कई वर्षों से। हम भारतीयों ने कभी भी यूरोप को खतरे में डालने वाला कोई काम नहीं किया है। मुझे लगता है कि यह एक तार्किक बात है।

14 दिन बाद ही टीएमसी टूटी

बागियों का 18 मई को स्पीकर को भेजा लेटर सामने आया, इसमें 19 सांसदों के दस्तखत

कोलकाता। ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस में फूट अब तय है। विधानसभा के 80 में से 58 विधायकों के बगावत के बाद लोकसभा के बागी 19 सांसदों का लेटर आज सामने आया। इसे 18 मई को लोकसभा स्पीकर को भेजा गया था और अलग गुट बनाने की मांग की गई है।

इससे साफ है कि ममता की हार के 14 दिन बाद ही पार्टी में बगावत शुरू हो गई थी। इस चिट्ठी में यूसुफ पठान, सायोनी घोष, काकोली घोष और शताब्दी रॉय जैसे बड़े नाम शामिल हैं। एक नाम सामने नहीं आया है।

इससे पहले 3 जून को टीएमसी के 58 विधायकों ने बंगाल विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर उनके गुट को मान्यता देने की मांग की थी, जिसे अध्यक्ष ने मंजूर भी कर लिया था।

मेहंदी कुंड में युवक-युवती की हत्या के आरोपी को दोहरी उम्रकैद

इंदौर। चर्चित मेहंदी कुंड डबल मर्डर केस में करीब 9 साल बाद अदालत ने बड़ा फैसला सुनाते हुए मुख्य आरोपी बलराम और उसके साथी को दोषी करार दिया है। कोर्ट ने दोनों आरोपियों को दोहरे हत्याकांड में आजीवन कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई है। यह मामला वर्ष 2017 में सामने आया था, जिसने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी थी। 6 नवंबर 2017 को 20 वर्षीय हिमांशु और उसकी मित्र श्रेया स्कूटर मेहंदी कुंड घूमने गए थे। दोनों के अचानक लापता होने के बाद परिजनों ने तलाश शुरू की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। कुछ दिनों बाद उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। वारदात के करीब छह महीने बाद एक चोरी के मामले में गिरफ्तार आरोपी बलराम पुलिस के हत्थे चढ़ा। जेल में उसकी अन्य आरोपी से एक-दूसरे को फंसाने की बात पर विवाद हो गया, जिससे मामला खुल गया। पूछताछ के दौरान उसने मेहंदी कुंड डबल मर्डर का खुलासा किया। पुलिस बताए गए स्थान पर गई, तो वहां दोनों के कंकाल मिले।

जीरो टॉलरेंस पॉलिसी पर सहमति

भारत-बांग्लादेश के बीच सीमा पार उग्रवाद और बॉर्डर सुरक्षा पर बात

नई दिल्ली। भारत और बांग्लादेश के सीमा सुरक्षा बलों के प्रमुखों ने सीमा पार के अपराधों, उग्रवादी गतिविधियों और बॉर्डर सिक्योरिटी को कमज़ोर करने वाली किसी भी कार्रवाई के प्रति 'ज़ीरो टॉलरेंस' (सख्त रवैया) की नीति अपनाने के अपने साझा संकल्प को दोहराया है। दोनों पक्षों ने सीमा पार होने वाले अपराधों को प्रभावी ढंग से रोकने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की। बीएसएफ और बीजीबी के बीच 57वीं डायरेक्टर जनरल स्तर की बॉर्डर कोऑर्डिनेशन कॉन्फ्रेंस बीएसएफ मुख्यालय, नई दिल्ली में आयोजित की गई।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व बीएसएफ के डायरेक्टर जनरल प्रवीण कुमार ने किया और बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व बीजीबी के डायरेक्टर जनरल मेजर जनरल मोहम्मद अशरफुज़्ज़मान सिद्दीकी ने किया। यह कॉन्फ्रेंस दोस्ताना, सकारात्मक और भविष्य की सोच वाले माहौल में आयोजित की गई, जो सीमा की सुरक्षा करने वाले दोनों बलों के बीच लंबे समय से चले आ रहे सहयोग और आपसी भरोसे को दिखाती है।

मप्र-राजस्थान समेत 22 राज्यों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट

दिल्ली में आधी रात 70 किमी की रफ्तार से आंधी चली, बिहार में बिजली गिरने से 10 की मौत

नई दिल्ली/जयपुर/लखनऊ, एजेंसी

देश में मानसून के आगे बढ़ने का सिलसिला जारी है। गुरुवार को मानसून की बंगाल की खाड़ी वाली ब्रांच बिहार में पहुंच गई। हालांकि, मुंबई में मानसून थोड़ा पीछे चल रहा है। अगले 3 दिन में मानसून के झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा और उत्तर प्रदेश में एंट्री करने की संभावना है। 4 जून को केरलम में एंट्री के बाद से मानसून 8 दिन में 17 राज्यों तक पहुंच चुका है। इधर दिल्ली-एनसीआर और हरियाणा में रात कई इलाकों में 70 से 80किमी की रफ्तार से हवाएं चलीं। इससे तेज गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और पंजाब समेत 22 राज्यों में आंधी-बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

राजस्थान में धूल भरी आंधी चल सकती है। महाराष्ट्र से लगे कोंकण और गोवा में मौसम उमस भरा रहेगा। कर्नाटक और केरलम में समुद्र की तरफ से तेज हवाएं चल सकती हैं। वहीं तेलंगाना, विदर्भ और आंध्र प्रदेश के समुद्री जिलों में हीटवेव का अलर्ट है। यहां पारा 40 से 45 डिग्री के बीच रह सकता है।

आंधी-तूफान की चपेट में आने से गिरे बाइक चालक।

दिल्ली में मौसम बिगड़ा, तीन विमान लखनऊ डायवर्ट

दिल्ली में गुरुवार रात एक बार फिर मौसम बिगड़ गया। तीन विमानों को लखनऊ डायवर्ट किया गया। इंडिगो एयरलाइन का बैंकॉक से दिल्ली जा रहा विमान 6ई 1054 लखनऊ रात 12. 18 बजे उतरा और आज सुबह 07.56 बजे दिल्ली रवाना हुआ। गुवाहाटी से दिल्ली जा रहा विमान 6ई6317 रात 12. 26 बजे लखनऊ उतरा और 03.21 बजे रवाना हुआ। नागपुर से दिल्ली जा रहा विमान 6ई6573 रात 12.42 बजे उतरा और 03.12 बजे रवाना हुआ।

मेट्रो एंकर | **अहमदाबाद प्लेन क्रैश की पहली बरसी, अब भी आंसू नहीं रोक पा रहे परिवार**

'पापा मैं फ्लाइट में बैठ गया'- आखिरी मैसेज आज भी सुनाई देता है...

अहमदाबाद, एजेंसी

अहमदाबाद में पिछले साल 12 जून को हुए एयर इंडिया विमान हादसे को आज एक साल बीत चुका है और इसमें जान गंवाने वाले 260 लोगों के परिवारों का दर्द आज भी उनके आंसुओं में छलक जाता है। एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई-171 हादसे में अपनों को खोने वाले कुछ लोग आज भी उड़ान भरने से डरते हैं, जबकि कई लोग इस गहरे सदमे से उबरने के लिए काउंसलिंग का सहारा ले रहे हैं।

बेटे को खोने के बाद किसी प्लेन में नहीं रखा कदम

कई परिवारों और प्रत्यक्षदर्शियों के लिए इस त्रासदी का असर अब तक खत्म नहीं हुआ है। दीव निवासी रफीक अरब ने 12 जून 2025 को लंदन जाने वाले प्लेन के उड़ान भरते ही हुई दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में अपने 25 साल के बेटे फैजान को खो दिया था। तब से उन्होंने आज तक किसी प्लेन में कदम नहीं रखा है और वह हवाई यात्रा के गहरे डर के साए में जी रहे हैं। फैजान ब्रिटेन में इस्लामिक अध्ययन की पढ़ाई कर रहा था और दीव में अपने परिवार से मिलने के बाद वापस जा रहा था। उसका अपने पिता को आखिरी फोन मैसेज था- ''पापा, मैं फ्लाइट में बैठ गया हूं और मैं जा रहा हूं।''

'हवाई जहाज की आवाज भी झकझोर देती है':

माता-पिता को खोने वाली मुक्ति अभी भी उबर नहीं पाई

इस त्रासदी ने सूरत निवासी मुक्ति वांसडिया के माता-पिता दिव्या (60) और अर्जुनसिंह (65) को छीन लिया। मुक्ति ने कहा, ''मेरे माता-पिता ही मेरी रोशनी थे।'' मुक्ति के माता-पिता अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय यात्रा पर जा रहे थे और जीवन में पहली बार हवाई जहाज में बैठे थे। वे अपनी बड़ी बेटी से मिलने लंदन जा रहे थे। मुक्ति ने याद करते हुए बताया, ''मिडिल क्लास लोगों के लिए विदेश यात्रा करना एक बड़ी बात होती है। वे बच्चों की तरह एक्साइटेड थे। मैंने उनसे कहा था कि अगर विमान में झटके महसूस हों तो डरना मत सब ठीक हो जाएगा।''

त्रासदी को याद करते हुए रफीक ने कहा, ''कौन सोच सकता था कि यह उसका आखिरी मैसेज होगा? हमने उस दिन के बाद से कभी विमान यात्रा नहीं की। यहां तक कि सिर के ऊपर से गुजरने वाले विमान की आवाज भी हमें झकझोर देती है और याद दिलाती है कि कैसे 260 जिंदगियां पल भर में खत्म हो गईं।'' फैजान की मां और दो छोटे भाई अब भी उसकी कमी महसूस करते हैं।

पहले उन्होंने एक दूसरी कनेक्टिंग उड़ान बुक की थी, लेकिन बाद में अहमदाबाद से जाने वाली इस फ्लाइट को चुना, ताकि वे गुजराती भाषी सह-यात्रियों के साथ यात्रा करने में अधिक कंफर्ट महसूस कर सकें। जाने से ठीक पहले के आखिरी पल मुक्ति की यादों में कैद हैं। मुक्ति बताती है, एयरपोर्ट पर मैंने अपनी मां के पैर छुए लेकिन पिता के पैर छूना भूल गई। मैं वापस दौड़ी, उनके पैर छुए और उन्होंने मेरी पीठ थपथपाई। मैं उस अहसास को कभी नहीं भूल सकती। ऐसा लग रहा था मानो वह मुझे किसी युद्ध के लिए तैयार कर रहे हों।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-7963564